जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

जालोर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जालोर, रविवार 28 दिसम्बर, 2025

इतिहास में पहली बार

सुपरमार्केट चार पहियों पर आपके घर आएगा

महीने भर का राशन, देख कर, छू कर, क्वालिटी समझ कर फिर खरीदो

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™ Pavitra

रिटेलर हो या कस्टमर: कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ

1800 120 2727

- शरबती सुपीरियर आटा
- देशी चक्की आटा
- सूजी
- दलिया
- बेसन
- शरबती गेहूँ
- देशी गेहूँ
- प्लैटिनम शरबती राइस
- एलीट बासमती राइस
- पोहा
- लाकाडोंग हल्दी पाउडर
- मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- जीरा
- सौंफ
- चना दाल
- मूंग दाल (छिलका)
- मूंग दाल
- अरहर/तूर दाल
- उड़द दाल (छिलका)
- उड़द दाल
- मसूर मलका
- मसूर दाल
- काला चना
- काबुली चना
- हरा चना
- हरा मटर
- मोठ
- हरा मूंग
- राजमा चित्रा
- राजमा लाल
- राजमा कश्मीरी
- कैलिफोर्निया बादाम
- काजू
- पिस्ता
- किशमिश
- अखरोट
- मामरा बादाम

COMING SOON

- कच्ची घानी सरसों का तेल
- ट्रिपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल
- तिल का तेल
- मखाना
- खजूर
- अंजीर
- मूंगफली
- लौंग
- इलायची
- काली मिर्च
- दालचीनी
- अजवाइन
- राई
- मेथी दाना
- कसूरी मेथी
- हींग
- अमचूर पाउडर
- गुड़ पाउडर
- चाय और भी बहुत कुछ

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON WHATSAPP | ORDER ON APP

AVAILABLE AT

32000+ RETAILERS | SUPERMARKETS | QUICKCOM/ECOM

WEBSITE | WHATSAPP | APP | TOLL FREE

T&C Apply.

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

भारत में सभी शहरी क्षेत्रों के आसपास के वनों को कंजर्वेशन रिज़र्व घोषित करना आवश्यक है

30 X 30 एक वैश्विक संरक्षण पहल है, जिसका उद्देश्य 2030 तक पृथ्वी के 30 प्रतिशत भूमि और महासागरों की रक्षा करना है। यह जैव विविधता कन्वेंशन (सीबीडी) के वर्ष 2020 के बाद के वैश्विक जैव-विविधता ढांचे के तहत एक प्रमुख लक्ष्य है। भारत के लिए, सभी पेरी-अर्बन वनों को संरक्षण रिज़र्व घोषित करना इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 7,935 शहर और कस्बे थे। यहाँ शहरीकरण तेजी से बढ़ रहा है। इन शहरों और कस्बों के आसपास स्थित पेरी-अर्बन वनों की रक्षा करना पारिस्थितिक गलियारों को मजबूत करेगा, शहरी जैव-विविधता को बढ़ावा देगा और जलवायु सहनशीलता में सुधार करेगा। ये वन कार्बन भंडार के रूप में कार्य करते हैं, महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी सेवाएं प्रदान करते हैं और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में जैव-विविधता हानि को कम करते हैं। पेरी-अर्बन वनों को 30 30 रणनीति में शामिल करना समावेशी संरक्षण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता के साथ मेल खाता है, जिसमें स्थानीय समुदायों की भागीदारी और देश की अनोखी जैव-विविधता और पारिस्थितिक अखंडता के लिए एक टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित करना शामिल है।

पेरी-अर्बन वन-हरे भरे क्षेत्र जो शहरों के बाहरी इलाकों में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच स्थित हैं- पारिस्थितिक जीवनरेखा हैं जो शहरीकरण के प्रतिकूल प्रभावों को कम करते हैं। ये वन महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी सेवाएं प्रदान करते हैं, जिनमें कार्बन अवशोषण, जल चक्र विनियमन, जैव-विविधता संरक्षण, स्थानीय तापमान को संतुलित करना और अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रकृति-आधारित समाधान के स्त्रोत के रूप में काम करना शामिल है।

तेजी से शहरी विस्तार के साथ, पेरी-अर्बन वन, कटाई, शहरीकरण के कारण भूमि उपयोग में बदलाव और प्रबंधन में उपेक्षा जैसी बढ़ती चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इसलिए, इनके बहुआयामी लाभों के प्रमाणों के आधार पर, सभी पेरी-अर्बन वनों को संरक्षण रिज़र्व घोषित करना और उनका प्रबंधन करना आवश्यक है।

भारत विश्व स्तर पर पेरी-अर्बन वनों की बहाली की उच्चतम संभावना वाले शीर्ष चार देशों में शामिल है, जिसमें चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्राज़ील भी शामिल हैं। ये चार देश पुनर्स्थापन गतिविधियों के लिए उपलब्ध वैश्विक पेरी-अर्बन क्षेत्रों का एक महत्वपूर्ण हिस्साप्रदान करते हैं। अकेले भारत में लगभग 14 से 17 मिलियन हेक्टेयर भूमि ऐसी पहलों के लिए उपयुक्त मानी गई है, जो जलवायु परिवर्तन से निपटने, जैव-विविधता को बढ़ावा देने और शहरी सहनशीलता में सुधार करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है (एस. फ्रांसिनीएटअल., नेचर सिटीज, वॉल्यूम 1, पेज 286-294, 2024)। यह वैश्विक पुनर्स्थापन प्रयासों में भारत की केंद्रीय भूमिका और लक्षित पुनर्वनीकरण गतिविधियों के माध्यम से महत्वपूर्ण पारिस्थितिक और सामाजिक लाभ प्रदान करने की इसकी क्षमता को उजागर करता है।

भारत में शहरी और पेरी-अर्बन राष्ट्रीय उद्यानों और संरक्षण रिज़र्वों का एक व्यापक नेटवर्क है, जो जैव-विविधता संरक्षण और शहरी पारिस्थितिकी सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान (मुंबई), जो 103 वर्ग किलोमीटर में फैला है, शहर के लिए एक हरा फेफड़ा है और तेंदुओं सहित विविध वन्यजीवों का घर है। इसी तरह, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान(भोपाल), 4.45 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है और प्राकृतिक बाड़ों में जानवरों के साथ एक प्राणी उद्यान के रूप में कार्य करता है। गिंडी राष्ट्रीय उद्यान (चेन्नई), जो केवल 2.7 वर्ग किलोमीटर में फैला है, काले हिरण, चीतल और पक्षियों के लिए एक शहरी अभयारण्य है।

हैदराबाद में कासूब्रह्मानंद रेड्डी (केबीआर) राष्ट्रीय उद्यान, जो 1.43 वर्ग किलोमीटर में फैला है, शहर के केंद्र में स्थित एक शहरी वन है, जो उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वनस्पति को संरक्षित करता है और आवश्यक पारिस्थितिकी सेवाएं प्रदान करता है। महावीर हरीना वनस्थली राष्ट्रीय उद्यान, 14.59 वर्ग किलोमीटर में फैला है और काले हिरणों की आबादी और शिक्षा तथा मनोरंजन में अपनी भूमिका के लिए जाना जाता है। बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान (बेंगलुरु), 260.5 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है और हाथी गलियारे और पारिस्थितिक पर्यटन सुविधाओं को जोड़ता है, जो शहरी दबावों और वन्यजीव संरक्षण के बीच संतुलन बनाता है।

चंदका-दामपाड़ा वन्यजीव अभयारण्य, जो भुवनेश्वर, ओडिशा के पास स्थित है, 193.39 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है और शहरी क्षेत्रों के करीब एक महत्वपूर्ण हाथी अभयारण्य है। यह मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने और जैव-विविधता को संरक्षित करने में पेरी-अर्बन संरक्षित क्षेत्रों के महत्व को रेखांकित करता है। जयपुर का झालाना-अमागढ़ कंजेर्वेशन रिज़र्व, जो 32 वर्ग किलोमीटर में फैला है, अपनी बढ़ती तेंदुओं की आबादी, कार्बन संचय, भू-जल पुनर्भरण और पर्यावरण पर्यटन के लिए जाना जाता है।

हमने हैदराबाद, तेलंगाना के पास स्थित 109 शहरी और पेरी-अर्बन वनों में से एक का दौरा किया, जो 250 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है और उष्ण कटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन प्रजातियों के उल्लेखनीय प्राकृतिक पुनर्जनन को प्रदर्शित करता है। मजबूत संरक्षण उपायों ने जैव-विविधता की रक्षा की है, जलग्रहण क्षेत्र की स्थिति को बेहतर बनाया है और आसपास की झीलों को स्वच्छ पानी प्रदान किया है। इसी प्रकार हैदराबाद का कासूब्रह्मानंद रेड्डी (केबीआर) राष्ट्रीय उद्यान एक महत्वपूर्ण शहरी संरक्षित क्षेत्र है, जहाँ चंदन (सैंटलम एल्बम) के उल्लेखनीय प्राकृतिक पुनरुत्पादन को देखा गया है। यह मुख्य रूप से पक्षियों द्वारा बीजों के प्रसार के माध्यम से संभव हुआ है, जिसमें बुलबुल पक्षी प्रमुख भूमिका निभाते हैं। ये पक्षी पार्क के 353 एकड़ क्षेत्र में, जिसमें संरक्षण और पर्यटन क्षेत्र दोनों शामिल हैं, बीजों को फैलाने में सहायक हैं।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल शहर के लिए हरे फेफड़े का काम करता है, जैव-विविधता संरक्षण में योगदान देता है, पारिस्थितिक पर्यटन को बढ़ावा देता है, और आसपास की झील के लिए जल विनियमन को बेहतर बनाता है। अपनी छोटी सीमा के बावजूद, वन विहार संरक्षण और मनोरंजन के बीच संतुलन स्थापित करता है। पारिस्थितिक संरक्षण और शहरी योजना को एकीकृत करने का उत्तम उदाहरण है।

पेरी-अर्बन वन पारिस्थितिक पर्यटन, टिकाऊ आजीविका और शीतलन के लिए ऊर्जा लागत को कम करके अतिरिक्त आर्थिक लाभ भी प्रदान करते हैं। ऐसी सेवाएं पेरी-अर्बन वनों को संरक्षित करने के वित्तीय लाभों को रेखांकित करती हैं। पेरी-अर्बन वनों को कंजर्वेशन रिज़र्व घोषित करना संसाधनों के उपयोग को नियंत्रित करेगा और स्थानीय व राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित करेगा।

पेरी-अर्बन वन स्थानीय जलवायु को स्थिर करने के लिए अपरिहार्य हैं,विशेष रूप से उन शहरी और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में जो अत्यधिक गर्मी की चपेट में आते हैं। झालाना-अमागढ़ संरक्षण रिज़र्व इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है। प्रोफेसर आर. योसेफ और उनकी टीम द्वारा किए गए एक अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ है कि पेरी-अर्बन वनभूमि सतह तापमान (LST) को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सैटेलाइट इमेजरी का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने पाया कि झालाना-अमागढ़ संरक्षण रिज़र्व के भीतर का थ्एऊ, आसपास के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में सभी मौसमों में काफी कम था। यहशीतलन प्रभाव दिखाता है कि वन शहरी गर्मी द्वीपों (Urban Heat Islands) का कैसे मुकाबला करते हैं, जो अन्यथा शहरों में गर्मी से संबंधित स्वास्थ्य जोखिमों को बढ़ाते हैं (Forests, Vol. 13, Pages 1101, 2022)? यह निष्कर्ष घनी आबादी वाले क्षेत्रों में जीवन स्तर को सुधारने के लिए भारत में शहरी और पेरी-अर्बन वनों को प्राथमिकता देने की मजबूत वकालत करता है।

शीतलन के अलावा, पेरी-अर्बन वन वैश्विक जलवायु शमन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। एस. फ्रांसिनी और उनके सहयोगियों ने पाया कि विश्व स्तर पर उपयुक्त पेरी-अर्बन क्षेत्रों को पुनर्स्थापित करके 101 से 106अरब पेड़ों के लिए स्थान उपलब्ध कराया जा सकता है,जो कार्बन अवशोषण में महत्वपूर्ण योगदान देगा (Nature Cities, Vol. 1, Pages 286–294, 2024)?

पेरी-अर्बन वनों में निवेश पारंपरिक 'ग्रे' अवसंरचना,जैसे बांध और तटबंध, के बजाय बाढ़ नियंत्रण और जलवायु अनुकूलन के लिए एक किफायती विकल्प है। आर. मलेकनिया और उनकी टीम द्वारा किए गए अध्ययन यह दर्शाते हैं कि पेरी-अर्बन वन प्राकृतिक स्पंज के रूप में कार्य करते हैं, वर्षा जल को अवशोषित करते हैं, जल पुनर्भरण करते हैं, और शहरी बाढ़ के जोखिम को कम करते हैं (Forests, Vol. 15, 2024)? यह पारिस्थितिकी सेवा आपदा के बाद के पुनर्वास पर होने वाले आर्थिक बोझ को कम करती है और दीर्घकालिक सहनशीलता सुनिश्चित करती है।

पेरी-अर्बन वन पारिस्थितिक पर्यटन, टिकाऊ आजीविका और शीतलन के लिए ऊर्जा लागत को कम करके अतिरिक्त आर्थिक लाभ भी प्रदान करते हैं। ऐसी सेवाएं पेरी-अर्बन वनों को संरक्षित करने के वित्तीय लाभों को रेखांकित करती हैं। पेरी-अर्बन वनों को कंजर्वेशन रिज़र्व घोषित करना संसाधनों के उपयोग को नियंत्रित करेगा और स्थानीय व राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित करेगा।

पेरी-अर्बन वन स्वच्छ हवा प्रदान करके, गर्मी के तनाव को कम करके और मनोरंजन स्थल के रूप में शहरी जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाते हैं। ये लाभ विशेष रूप से भारत के घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्रों में अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं, जहाँ हीट-वेव और वायु प्रदूषण शहरी समुदायों को असमान रूप से प्रभावित करते हैं। इसके अलावा, पेरी-अर्बन वन मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करते हैं। मनोरंजन स्थलों के रूप में ये वन व्यायाम और विश्राम के अवसर प्रदान करते हैं, जो मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं।

पेरी-अर्बन वनों को संरक्षण रिज़र्व घोषित करना एक क्रांतिकारी नीतिगत समाधान है, जो इन वनों की सुरक्षा को संस्थागत रूप देगा और उनके पारिस्थितिक,आर्थिक और सामाजिक लाभों को पूरी तरह से प्राप्त करने की क्षमता को साकार करेगा। कंजर्वेशनरिज़र्व कानूनी ढांचा प्रदान करते हैं, जो वनों को शहरी अतिक्रमण और अव्यवस्थित दोहन से बचाते हैं, साथ ही समुदाय की भागीदारी को भी सक्षम बनाते हैं। पेरी-अर्बन वनों के संरक्षण को लागू करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाने की आवश्यकता है। सबसे पहले, जीआईएस और रिमोट सेंसिंग उपकरणों का उपयोग करके पेरी-अर्बन वनों की पहचान और मूल्यांकन करना चाहिए, जो भूमि सतह तापमान और पारिस्थितिकी सेवाओं से संबंधित महत्वपूर्ण डेटा प्रदान करेगा। दूसरे, नीतिगत और कानूनी सुधारों के माध्यम से इन क्षेत्रों को औपचारिक रूप से समय समय पर संशोधित, वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के अनुरूप कंजर्वेशन रिज़र्व के रूप में नामित करना आवश्यक है, जिससे इनकी दीर्घकालिक सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। तीसरे, सहभागी योजना और शिक्षा के माध्यम से समुदायों को शामिल करना महत्वपूर्ण है, ताकि जन-जागरूकता बढ़ाई जा सके और स्थानीय स्तर पर संरक्षण प्रयासों में भागीदारी सुनिश्चित हो। चौथे, सीधी बुआई(बीजारोपण), असिस्टेड नेचुरल रिजनेरेशन जैसी वैज्ञानिक पुनर्स्थापन तकनीकों का उपयोग करके वनों के पुनर्स्थापन और क्षतिग्रस्त वनों को बेहतर करने में मदद मिल सकती है। अंत में, जन जागरूकता अभियानों के माध्यम से पेरी-अर्बन वनों के पारिस्थितिक और सामाजिक लाभों को उजागर किया जा सकता है, जिससे नागरिकों को इन महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्रों की रक्षा के लिए प्रेरित किया जा सके। इन सभी प्रयासों से पेरी-अर्बन वनों का संरक्षण न केवल पर्यावरणीय स्थिरता को सुनिश्चित करेगा, बल्कि देश के आर्थिक और सामाजिक लाभों में भी योगदान देगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)

(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

अंगदान से बढ़कर कोई दान नहीं, लोगों को जागरुक करने की महत्ती आवश्यकता

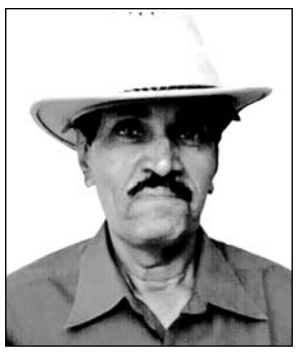

मिश्रीलाल पंवार

भारतवर्ष में प्राचीन काल से ही दान का बड़ा महत्व रहा है। वैसे दान के भी कई प्रकार होते हैं। संकट के समय किसी जरुरतमंद की मदद कर उसे संकट से बचा लेना ही दान कहलाता है। कथा अनुष्ठानों में संत महात्माओं द्वारा दान का खूब गुणगान किया जाता है। मगर उनका लक्ष केवल धन की तरफ रहता है। अंगदान जैसे महत्वपूर्ण दान पर कोई नहीं बोलता। जबकि अंगदान सबसे बड़ा दान है तथा इस पर ध्यान देना आज की पहली आवश्यकता है। बदलते दौर में अंगदान का महत्व बहुत बढ़ गया है। इससे बड़ा कोई अन्य दान नहीं है।

प्राचीन काल में महर्षि दधीचि ने संसार पर आए संकट को टालने तथा दैत्यराज वृत्रासुर के अत्याचारों से मनुष्य जाति को बचाने के लिए अपनी हड्डियाँ देवताओं को दान कर दी थी। अपने शरीर का मोह त्याग कर लोकहित में अपना जीवन त्यागने की यह घटना विश्व में अजय अमर हो गई। उनकी हड्डियों से बने वज्र से ही इंद्र ने वृत्रासुर का वध किया था। यह दान परोपकार और निस्वार्थ भाव का एक महान उदाहरण है, जहाँ उन्होंने अपने शरीर का त्याग करके देवताओं को शक्तिशाली अस्त्र (वज्र) प्रदान किया।

शास्त्रों के अनुसार वृत्रासुर नामक राक्षस देवताओं और मनुष्यों पर अत्याचार कर रहा था और वह कोई भी अस्त्र मार से मर नहीं रहा था, क्योंकि उसके पास वरदान था कि उसे किसी अस्त्र से नहीं मारा जा सकता। परेशान देवता भगवान शिव के पास पहुंचे और वृत्रासुर राक्षस की बात बताई। भगवान शिव ने कहा कि इसमें सिर्फ महर्षि दधीचि की आप लोगों की सहायता कर सकते हैं। उनकी हड्डियों में व्रज जैसी शक्ति है। महर्षि दधीचि अगर अगर अपनी हड्डियां तुम्हें दान कर देते हैं तो उससे अस्त्र बना कर वृत्रासुर से युद्ध करोगे तो उस राक्षस का अन्त हो जाएगा।

भगवान शिव की बात सुनकर इंद्र और अन्य देवता महर्षि दधीचि के पास पहुंचे और उनकी अस्थियाँ मांगीं। जिससे वे वज्र नामक एक दिव्य और शक्तिशाली अस्त्र बना सकें।

महर्षि दधीचि ने लोक-कल्याण के लिए अपना शरीर त्यागने का निर्णय लिया। उन्होंने समाधि लगाकर योगबल से अपने शरीर का त्याग कर दिया और केवल अस्थियाँ शेष रह गईं। उन हड्डियों से इंद्र ने वज्र बनाया। इस वज्र से इंद्र ने वृत्रासुर का वध किया और पृथ्वी को उसके अत्याचारों से मुक्त कराया। यह दान निस्वार्थ सेवा, त्याग और लोकहित के लिए था। इससे संसार के प्राणियों की रक्षा हो सकी।

वर्तमान के बदलते दौर में व्यक्ति नाना प्रकार की बिमारियों का शिकार होकर काल का ठास बन रहा है। ऐसे लोगों को बचाने तथा नई जिंदगी देने के उद्देश्य से अंगदान के महत्व को समझा गया। सरकार ने इसके महत्व को देखते हुए कई कद उठाए। अंग दान एवं प्रत्यारोपण मानव अंग और ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम 1994 बनाया। इस कानून को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत किया गया था। इस अधिनियम को 2011 में संशोधित किया गया था। इस कानून का उद्देश्य चिकित्सीय उद्देश्यों के लिए मानव अंगों को निकालने, भंडारण करने और प्रत्यारोपण करने को विनियमित करना है। लोगों को जागरूक करने के कार्यक्रम चलाए गए। धीरे-धीरे इसके सुखद परिणाम भी आने लगे।

2024 में भारत ने 18,900 अंग प्रत्यारोपण कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया और संयुक्त राज्य अमेरिका व चीन के बाद दुनिया में तीसरा स्थान प्राप्त किया। खास बात यह है कि भारत ने जीवित अंगदान में पहला स्थान पाया है, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि आम नागरिकों में आग दान के प्रति जागरूकता आई है।

भारत कुल अंग प्रत्यारोपण के मामले में तीसरे स्थान पर है, जबकि पहले स्थान पर संयुक्त राज्य अमेरिका और दूसरे पर चीन है। भारत जीवित दाता अंग प्रत्यारोपण के मामले में प्रथम स्थान पर है।

राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रत्यारोपण की उपलब्धता को बढ़ाना, जागरूकता में सुधार करना और आवश्यक अवसंरचना में वृद्धि करना है। यह कार्यक्रम एक नेटवर्क के माध्यम से संचालित होता है, जिसमें राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन,क्षेत्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन तथा राज्य अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन शामिल है।

अंग प्रत्यारोपण में इस वृद्धि के बावजूद, भारत में मृतक के अंग दान की दर बहुत कम है, जो प्रति दस लाख जनसंख्या पर 1 से भी कम है। स्पेन में यह दर प्रति दस लाख जनसंख्या पर 48 है।

आधार-लिंक्ड डिजिटल प्रतिज्ञा पोर्टल को सितंबर 2023 में लॉन्च किया गया था। इसके माध्यम से 3 लाख से अधिक नागरिकों ने अंगदान के लिए अपनी प्रतिज्ञा को पंजीकृत कराया है। 2024 में "अंगदान जन जागरूकता अभियान" को शुरू किया गया था।अंगदान में तेलंगाना ने भारत में नंबर 1 राज्य का दर्जा प्राप्त किया।

ओरगन डोनेशन इन इंडिया 2025: पर हर साल स्वास्थ्य के क्षेत्र में अलग-अलग रिकॉर्ड दर्ज होते हैं। साल 2025 में जब राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन और राज्यों की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं ने देश में अंगदान-अभियान को गति दी, तो जन जागरूकता से तेलंगाना ने खुद को टॉप पर रखा। अगस्त 2025 में, तेलंगाना को द्वारा भारत का नंबर वन राज्य घोषित किया गया। 15वें भारतीय अंगदान दिवस समारोह में तेलंगाना को सम्मानित किया। अंगदान को लेकर लोगों को जागरूक करने की आज बहुत आवश्कता है। हांलांकि शासन प्रशासन द्वारा इस दिशा में अनेक कदम उठाए जा रहे हैं और उसका सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं।

पिछले दिनों जोधपुर के महात्मा गांधी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सी.आर. चौधरी की अगुवाई में अस्पताल स्टाफ और मरीजों ने अंगदान करने की शपथ ली तो कईयों का ध्यान इस तरफ गया।कार्यक्रम में डॉक्टर चौधरी ने अंगदान को लेकर जानकारी दी।

डॉ. चौधरी का कहना है कि प्रदेश सरकार की ओर से चलाए जा रहे अभियान का मकसद हर व्यक्ति को अंगदान के महत्व के बारे में जागरूक करना है, जिससे किसी की मौत दूसरों की जिंदगी बचा सके। उन्होंने कहा कि कई बार किडनी, लिवर या हार्ट फेल होने के कारण मरीजों की मौत हो जाती है, जबकि अंगदान से ऐसे सैकड़ों लोगों को नई जिंदगी दी जा सकती है।

उन्होंने बताया कि भारत में हर साल हजारों मरीज ऐसे होते हैं जिन्हें किडनी, लिवर, आंख या हार्ट ट्रांसप्लांट की जरूरत होती है, लेकिन दाता (डोनर) न मिलने से उनकी मौत हो जाती है। एक व्यक्ति अगर मृत्यु के बाद अपने अंग दान करता है तो वह 8 लोगों की जिंदगी बचा सकता है और 50 से ज्यादा लोगों की जीवन गुणवत्ता सुधर सकती है। 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र का कोई भी व्यक्ति जीवित रहते हुए या मृत्यु के बाद अंगदान की इच्छा जताकर डोनर बन सकता है। जीवित व्यक्ति अपनी एक किडनी, लिवर का हिस्सा, या ब्लड और बोन मैरो दान कर सकता है।मृत्यु के बाद व्यक्ति का दिल, लिवर, किडनी, फेफड़े, पैंक्रियास, कॉर्निया और त्वचा जैसे अंग दान किए जा सकते हैं।

-मिश्रीलाल पंवार,
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार है)

सुप्रीम कोर्ट की उच्च स्तरीय कमेटी पाली के नेहड़ा बांध का निरीक्षण करने पहुंची

पाली, (नि.सं.)। नेहड़ा बांध अब पानी नहीं, रंग-बिरंगे जहर से भरा है। कपड़ा फैक्ट्रियों का अनट्रीटेड रासायनिक पानी चोरी-छिपे बांडी नदी में छोड़ा जा रहा है, जो 60-70 गांवों की फसलों को जड़ से बर्बाद कर रहा है। गेहूं-सब्जियां उगती नहीं, उगती भी हैं तो बिकती नहीं। जिन्हें खा रहे हैं, वे हार्ट, कैंसर और किडनी के गंभीर मरीज बन रहे हैं। पशु बांझ हो रहे हैं, जमीन बंजर होती जा रही है। यह दर्द पिछले 40 साल से किसान झेल रहे हैं, लेकिन फैक्ट्री मालिकों के आगे प्रशासन की सुनवाई नहीं हो रही। शनिवार को सुप्रीम कोर्ट की उच्च स्तरीय कमेटी, सेवानिवृत्त जस्टिस संगीत लोढ़ा के नेतृत्व में नेहड़ा बांध पहुंची। किसानों ने रो-रोकर अपना दुख सुनाया। जस्टिस लोढ़ा ने खुद नदी में बहता रंगीन पानी देखा, फोटो-वीडियो बनाए और नाराजगी जताई।

सेवानिवृत्त जस्टिस संगीत लोढ़ा के नेतृत्व में सुप्रीम कोर्ट की उच्च स्तरीय कमेटी ने नेहड़ा बांध का निरीक्षण किया।

किसान नेता महावीर सिंह सुकरलाई ने बताया कि अवैध पाइपलाइन पकड़ी गई, लेकिन मुकदमा तक नहीं दर्ज हुआ। पुखराज पटेल ने सवाल उठाया कि सिंचाई विभाग कार्रवाई क्यों नहीं करता? मदन सिंह जागरवाल ने खुलासा किया कि गुजरात से रासायनिक टैंकर रात में बांडी में खाली होते हैं। सेवानिवृत्त जस्टिस संगीत लोढ़ा के साथ आई टीम नेहड़ा बांध की स्थिति का जायजा लेकर जेतपुर-गढ़वाड़ा के बीच स्थित बांडी नदी की रपट पहुंची, जहां भी नदी में उन्हें रंगीन पानी बहता नजर आया। दीपक बामणिया ने कहा कि उन्होंने दूषित हो रहे नेहड़ा बांध को लेकर अनशन किया तो उन्हें जेल में डाल दिया। यहां से टीम किसानों के कहने पर छापरिया गांव गई, जहां सेवानिवृत्त जस्टिस संगीत लोढ़ा को किसानों ने बताया कि कैसे उनके खेत रंगीन पानी के कारण खराब हो चुके हैं। सेवानिवृत्त जस्टिस संगीत लोढ़ा पाली सर्किट हाऊस पहुंचे। लंच के बाद हाईवे से होते हुए उन्होंने ट्रीटमेंट प्लांट संख्या की स्थिति देखी और टैंकरों के चक्के के निशान देख नाराजगी जताई। यहां भी उन्हें बांडी नदी में रंगीन पानी नजर आया। टीम यहां का निरीक्षण करने के बाद वापस जोधपुर चली गई।

सेवानिवृत्त जस्टिस संगीत लोढ़ा जब जेतपुर के निकट बांडी नदी की रपट से नदी में बह रहा दूषित पानी देख रहे थे, इस दौरान कई किसानों ने उनसे आग्रह किया कि छापरिया गांव के हालात काफी विकट हैं। इस पर वे अपना शेड्यूल बदलकर छपरिया गांव की तरफ निकले, लेकिन सिंगल कच्चे रोड पर 7-8 किलोमीटर चलने के बाद भी जब गांव नहीं आया तो उन्होंने नाराजगी जताई कि आपको सच बोलना चाहिए था कि तीन किलोमीटर का बोल कर 7-8 किलोमीटर दूर लेकर आ गए। इससे आगे को पूरा शेड्यूल बिगड़ रहा है।

इस दौरान उनके साथ जिला कलैक्टर एलएन मंत्री, एसपी आदर्श सिधु, एएसपी त्वरित अनुसंधान सेल

- **सेवानिवृत्त जस्टिस संगीत लोढ़ा ने नदी में बहता रंगीन पानी देखा, फोटो-वीडियो बनाए और नाराजगी जताई**
- **नेहड़ा बांध अब पानी नहीं, रंग-बिरंगे जहर से भरा है, कपड़ा फैक्ट्रियों का अनट्रीटेड रासायनिक पानी चोरी-छिपे बांडी नदी में छोड़ा जा रहा है**

जयसिंह सीओ ग्रामीण अमरसिंह रत्नू, सीओ सोजत रतनाराम देवासी, जेतपुर थानाप्रभारी जबरसिंह, रोहट थानाप्रभारी पदमपाल सिंह सहित पुलिस जाब्ता मौजूद रहा। वहीं नेहड़ा बांध, जेतपुर के पास नदी की रपट पर भी बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

शीतकालीन अवकाश में भी आंगनबाड़ी केंद्र खुले

अलवर शहर में करीब 158 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित किए जा रहे हैं

अलवर, (निसं)। राज्य सरकार और शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी स्कूलों में तो शीतकालीन अवकाश घोषित कर दिए लेकिन आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश करना भूल गई। जिले में हजारों की संख्या में आंगनबाड़ी केन्द्र खुले हुए हैं। उसमें मासूम और छोटे बच्चे शिक्षा का अनुभव या यूं कहे गरीब परिवार के बच्चे शिक्षा ग्रहण करने आते है जो मात्र तीन से पांच साल की आयु के ज्यादातर देखे जा रहे हैं। अलवर में पारा पांच डिग्री पर पहुंच चुका है लेकिन ये मासूम इतनी ठंड में भी आंगनबाड़ी में पढ़ने आ रहे हैं।

आंगनबाड़ी पर तीन से 6 साल तक के छोटे बच्चे आते हैं। किराया कम होने की वजह से बहुत से केंद्र ऐसे हैं जहां सीलन व गलन वाले कमरों में बच्चों को बैठाया जा रहा है। ये तंग गलियों में हैं, इस वजह से धूप भी कम आती है। इस वजह से बच्चों को तेज सर्दी में पढ़ना पड़ रहा है। शहर में करीब 158 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जो सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक संचालित किए जा रहे हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आंगनबाड़ी केंद्रों पर कार्यरत कार्यकर्ता व सहायिकाओं के लिए दस-दस दिन का अवकाश दिया जाता है, जिसमें महिला कार्मिक बारी-बारी से अवकाश ले सकती हैं, ताकि केंद्र बंद न रहे और बच्चों की देखभाल व सरकारी योजनाओं का संचालन होता रहे।

- **अलवर में पारा पांच डिग्री पर पहुंच चुका है लेकिन ये मासूम इतनी ठंड में भी आंगनबाड़ी में पढ़ने आ रहे हैं**
- **शहर में करीब 158 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित, जो सुबह 10 से 2 बजे तक संचालित किए जा रहे हैं**

महेश गुप्ता, उपनिदेशक, महिला एवं बाल विकास विभाग, अलवर का कहना है कि राज्य सरकार की ओर से आंगनबाड़ी केंद्रों पर शीतकालीन अवकाश के लिए मुख्यालय से कोई आदेश जारी नहीं हुए हैं, इसलिए केंद्र खोले जा रहे हैं।

राशिफल रविवार 28 दिसम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र प्रातः 8:43 तक, वारियान योग दिन 10:13 तक, बव करण दिन 12:00 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-धनु, चन्द्रमा-मीन, मंगल-धनु, बुध-वृश्चिक, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से प्रातः 8:43 तक, रवियोग प्रातः से आरम्भ होगा। आज दुर्गाष्टमी, पंचक है। आज से शाकम्भरी देवी नवरात्रा आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 8:36 से 9:53 तक, लाभ-अमृत 9:53 से 12:28 तक, शुभ 1:46 से 3:03 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:19, सूर्यास्त 5:38 तक

मेष

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

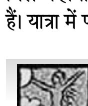

सिंह

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

धनु

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। आज महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

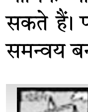

कन्या

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

मकर

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्य के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।

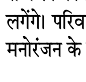

मिथुन

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

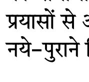

तुला

आज परिजनों/मित्रों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यक्तिगत प्रयासों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नये-पुराने मित्रों से संपर्क बनेंगे।

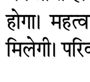

कुंभ

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

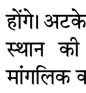

कर्क

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

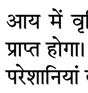

वृश्चिक

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आवश्यक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी।

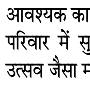

मीन

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 261 प्रभात जालोर, रविवार 28 दिसम्बर, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

दिग्विजय सिंह सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक में भी गरजे

पर चौंकाने वाली बात यह है कि पूरी बैठक में सभी ने उनकी दहाड़ को चुपचाप, ''पिनड्रॉप साइलैंस'' में सुना

- किसी ने उनका प्रतिवाद नहीं किया, न ही उनके आरोपों के खिलाफ कोई तर्क प्रस्तुत किए।
- क्या, सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक में छायी चुप्पी का मतलब है कि पार्टी के अन्य नेता भी दिग्विजय सिंह की राहुल के बारे में तीखी टिप्पणी और पार्टी के कामकाज के तरीके की कटु आलोचना से सहमत हैं।
- राहुल गांधी का कट्टर समर्थक, जय जगत ग्रुप, यहाँ तक कि राहुल गांधी के द्वारा मनोनीत संगठन महासचिव वेणुगोपाल भी चुप क्यों रहे?
- क्या दिग्विजय सिंह अकेले ही हैं, पार्टी व राहुल गांधी के खिलाफ एक तरह से विद्रोह का झंडा उठाने में, या कई और अन्य नेता भी दिग्विजय सिंह के साथ सहानुभूति रखते हैं और दिग्विजय सिंह के साथ हैं।
- पर, सी.डब्ल्यु.सी. के सभी सदस्य, दिग्विजय सिंह के प्रकरण को बहुत महत्वपूर्ण मानते हैं, इसीलिए दिग्विजय सिंह का मसला सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक को ''हाइजैक'' करने में सफल हुआ।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 दिसंबर। कांग्रेस कार्य समिति की (वर्ष की आखिरी) की बैठक में तब जबरदस्त हंगामा हुआ, जब वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने संगठन के संचालन पर सवाल उठाए।

सीडब्ल्युसी बैठक का आयोजन मनरेगा के नाम बदलने पर चर्चा करने के लिए किया गया था, और उन्होंने चेतावनी दी कि अगर राज्य सरकारें इसे लागू करने के लिए पैसे नहीं जुटा पाती हैं, तो यह ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना का अंत कर देगा, क्योंकि अधिकांश राज्य आर्थिक संकटों का सामना कर रहे हैं।

कांग्रेस कार्य समिति के सदस्यों ने इस योजना के नाम बदलने और इसके दायरे को बदलने के खिलाफ विरोध करने की शपथ ली। लेकिन पूरी बैठक को मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने अपने सवालों से लगभग हाइजैक कर लिया, जब उन्होंने संगठन को चलाए जाने पर सवाल उठाया।

क्या उनका हमला राहुल गांधी के प्रॉक्सी माने जाने वाले के.सी. वेणुगोपाल पर था? या फिर राहुल गांधी पर था, जो कभी भी छोटे मुद्दों पर ध्यान नहीं देते? या फिर यह हमला ''जय जगत'' पर था, जो राहुल गांधी पर काफी प्रभाव रखता है? संभवतः इन सभी पर था।

दिग्विजय सिंह ने कहा कि आरएसएस एक खतरनाक संगठन है, लेकिन कांग्रेस के पास इसे चुनौती देने की शक्ति नहीं है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस यह संदेश देने में असमर्थ है कि वह भाजपा को चुनौती दे सकती है।

दिग्विजय सिंह ने यह भी कहा कि कांग्रेस का पूरा कामकाज केन्द्रीकृत हो चुका है और पार्टी इस स्थिति को संभालने में सक्षम नहीं है।

दिग्विजय सिंह ने इससे पहले नरेन्द्र मोदी की एक तस्वीर ट्वीट की थी, जिसमें वे एल.के. आडवाणी के चरणों में बैठे नज़र आ रहे थे, और कहा था कि भाजपा और आरएसएस के कार्यकर्ता मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह है भाजपा संगठन की ताकत।

उन्होंने कहा, समस्या कांग्रेस संगठन के साथ है, जो काम नहीं करता है। दिलचस्प बात यह है कि दिग्विजय सिंह ने यह स्पष्ट किया कि वे आरएसएस की तारीफ नहीं कर रहे थे, बल्कि यह बताने की कोशिश कर रहे थे कि कांग्रेस आज कहां खड़ी है।

एक और ट्वीट में, उन्होंने राहुल गांधी की आर्थिक दृष्टिकोण की तारीफ की, लेकिन कहा कि उन्हें कांग्रेस और संगठन पर ध्यान केन्द्रित करना होगा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को मामलों के बारे में मनाना बहुत कठिन है।

इस बीच, कई सवाल उभरकर सामने आए हैं। क्या दिग्विजय सिंह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

असम में 10.56 लाख वोटर्स के नाम कटे

गुवाहाटी, 27 दिसम्बर। विधानसभा चुनाव से पहले असम में मतदाता सूची को दुरुस्त करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। चुनाव आयोग ने विशेष पुनरीक्षण (स्पेशल रिवीजन) के बाद राज्य की ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी कर दी है। इस प्रक्रिया में 10 लाख 56 हजार 291 नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। चुनाव आयोग का कहना है कि इसका मकसद त्रुटिरहित और पारदर्शी मतदाता सूची तैयार करना है, ताकि आने वाले चुनाव निष्पक्ष तरीके से कराए जा सकें।

- चुनाव आयोग ने एसआईआर के बाद ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की।

चुनाव आयोग की ओर से जारी एकीकृत ड्राफ्ट सूची के अनुसार, असम में अब कुल 2 करोड़ 51 लाख 9 हजार 754 पंजीकृत मतदाता हैं। इस आंकड़े में 93 हजार 21 डी-वोटर शामिल नहीं हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि जिन नामों को हटाया गया है, वे मृत्यु, स्थानांतरण या डुप्लीकेट प्रविष्टियों के कारण सूची में बने हुए थे। इन्हें हटाकर मतदाता सूची को साफ किया गया है।

विशेष पुनरीक्षण के दौरान, कुल 10,56,291 नाम हटाए गए। इनमें से 4,78,992 नाम ऐसे थे, जिन मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी थी। वहीं, 5,23,680 मतदाता अपने पंजीकृत पते से दूसरी जगह स्थानांतरित पाए गए। इसके अलावा 53,619 ऐसे नाम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिग्विजय सिंह आखिर चाहते क्या हैं?

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रशंसा और कांग्रेस के वर्किंग स्टाइल की आलोचना

- दिग्विजय सिंह ने प्र.मंत्री मोदी की एक फोटो शेयर की, जिसमें वर्ष 1996 में गुजरात में हुए एक कार्यक्रम में एल.के. आडवानी कुर्सी पर बैठे और मोदी उनके पास ज़मीन पर बैठे दिख रहे हैं।
- फोटो के साथ दिग्विजय सिंह लिखते हैं कि संघ के संगठन का इको सिस्टम ऐसा है कि एक साधारण कार्यकर्ता भी मुख्यमंत्री और यहाँ तक कि प्रधानमंत्री भी बन सकता है।
- इससे पहले दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस, खासकर राहुल के बारे में एक्स पर लिखा और कहा, राहुल जी सामाजिक, आर्थिक मसलों पर आपकी सोच सटीक है, लेकिन जरा कांग्रेस के संगठन पर भी ध्यान दीजिए।
- इसी पोस्ट में वे लिखते हैं कि राहुल को मनाना बेहद कठिन है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। ज्ञातव्य है कि एक हफ्ते पहले, उन्होंने पार्टी में सुधार की आवश्यकता के सम्बंध में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को पत्र लिखा था। शनिवार सुबह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 1990 के दशक की एक ब्लैक एंड वाइट फोटो को साझा करते हुए, उन्होंने भाजपा और उसकी वैचारिक मातृसंस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तारीफ की, जो विभिन्न मुद्दों पर हमेशा कांग्रेस के निशाने पर रहे हैं।

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सिंह ने कॉरा का एक स्क्रीनशॉट पोस्ट किया, जिसमें भाजपा के दिग्गज नेता एल.के. आडवाणी गुजरात में एक कार्यक्रम में भाग लेते दिख रहे हैं। युवा पीएम मोदी को आडवाणी के पास फर्श पर बैठे हुए देखा जा सकता है। इस तस्वीर को लेकर, कांग्रेस नेता ने बताया कि आरएसएस और भाजपा के सामान्य कार्यकर्ता, जो कभी जमीन पर बैठते थे, वे संघ-भाजपा के पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) में आगे बढ़कर किस तरह मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बन सकते हैं।

सिंह ने एक्स पर लिखा, ''मुझे यह तस्वीर कॉरा साइट पर मिली। यह बहुत प्रभावशाली है। जिस तरह से आरएसएस के जमीन से जुड़े स्वयंसेवक और जनसंघ-भाजपा के कार्यकर्ता नेताओं के चरणों में बैठते हैं, और राज्य के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री बन जाते हैं, वह संगठन की शक्ति है। जय सिया राम।''

सिंह द्वारा साझा की गई फोटो 1990 के दशक की एक विशिष्ट फोटो है, जो गुजरात की राजनीति में प्र.मंत्री मोदी के उदय और उभार को दर्शाती है। यह तस्वीर 1996 में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान ली गई बताई जाती है, जिसमें उस समय के शीर्ष भाजपा नेता शामिल हुये थे।

भाजपा ने सिंह के ट्वीट पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तंज किया है। पार्टी प्रवक्ता सी.आर. केशवन ने कहा कि सिंह की टिप्पणी ने ''तानाशाह और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लीपा-पोती कर राज्यसभा में नया टर्म चाहते हैं दिग्विजय?

दिग्विजय का राज्यसभा में कार्यकाल नए वर्ष के आरंभ में खत्म होने जा रहा है और वे तीसरी बार राज्यसभा में जाना चाहते हैं

- दिग्विजय सिंह का कार्यकाल खत्म होने से रिक्त होने वाली सीट के कई दावेदार हैं, जैसे कमलनाथ, मीनाक्षी नटराजन आदि और फिर मध्य प्रदेश में कांग्रेस के नेता जीतू पटवारी आदि भी दिग्विजय सिंह के विरोधी हैं।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 दिसंबर। संघ/भाजपा की तारीफ करने पर हुई आलोचना के बाद, सिंह अब लीपा-पोती में लगे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी तारीफ केवल आरएसएस/भाजपा के संगठनात्मक अनुशासन और संरचना के विस्तार तक सीमित थी, यह स्पष्ट करते हुए कि उनका सैद्धांतिक विरोध अभी भी बरकरार है।

लेकिन जो नुकसान होना था, हो चुका है। कहा जा रहा है कि दिग्विजय द्वारा की गई संघ/भाजपा की तारीफ असल में एक सौदेबाजी है, ताकि वे राज्यसभा के तीसरे कार्यकाल को सुनिश्चित कर सकें। दिग्विजय सिंह का राज्यसभा का दूसरा कार्यकाल अगले साल की शुरुआत में समाप्त हो रहा है, और कई कांग्रेस नेता जैसे कमलनाथ और मीनाक्षी नटराजन उनकी सीट के लिए प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। मध्य प्रदेश में भी सिंह को जीतू पटवारी और उमंग सिंघार जैसे नेताओं से विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

राहुल गांधी से पार्टी में आंतरिक सुधार करने की अपील करने के एक हफ्ते बाद, वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने शनिवार को उस समय एक विवाद खड़ा कर दिया, जब उन्होंने आरएसएस/भाजपा के संगठनात्मक ढांचे की साफ-साफ शब्दों में सराहना करते हुए एक पुरानी तस्वीर साझा की।

आरएसएस/भाजपा के सबसे कठोर आलोचकों में से एक दिग्विजय सिंह द्वारा अप्रत्याशित तारीफ ने संघ-परिवार को खुश कर दिया है, जिन्होंने अक्सर कांग्रेस के ''पहले परिवार''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने अरावली विवाद पर लिया स्वत: संज्ञान

नई दिल्ली, 27 दिसंबर। सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पहाड़ियों की परिभाषा में हाल ही में हुए बदलाव से पैदा हुई चिंताओं पर स्वत:संज्ञान लिया है। ऐसी आशंका है कि बिना रोक-टोक के

- सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय वेकेशन बैंच सोमवार 29 दिसम्बर को मामले पर विचार करेगी।

माइनिंग और गंभीर पर्यावरण नुकसान का रास्ता खुल सकता है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जे के महेश्वरी और जस्टिस ए जी मसीह की वेकेशन बेंच सोमवार 29 दिसंबर को मामले पर विचार करेगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बांग्लादेश में हिंदू, कसाई घर के जानवर की भाँति असहाय व भयतीत हैं

उनके पास बचने का कोई रास्ता नहीं है, न बचाने वाली कोई संस्था, जिसकी ओर बचाव के लिए देख सकें

- थक हार कर, हिंदुओं ने एक राजनीतिक पार्टी बनाने का निर्णय लिया है, जो आगामी चुनाव में उम्मीदवार खड़ा करेगी।
- इस पार्टी ने, भारत सरकार से आग्रह भी किया है, बॉर्डर खोल दें, जिससे हिंदुओं के समक्ष सीमा पार जाने का विकल्प तो हो, अन्यथा प्रेशर कूकर जैसे उन पर प्रेशर बढ़ता ही जाता है और प्रेशर रिलीज़ करने का कोई रास्ता नहीं है।
- अगर भारी संख्या में हिंदू पलायन भी करते हैं तो भारत सरकार को यह स्थिति मान्य नहीं होगी और कुछ करने के लिए भारत सरकार बाध्य होगी। बांग्लादेश सरकार भी समझ रही है, यह अंजाम हो सकता है। अतः हिंदुओं को सुरक्षा प्रदान करने को मजबूर होगी।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर। बांग्लादेश के हिंदुओं को डर है कि अगर भारत अपनी नीतियों में बदलाव नहीं करता, तो उनके खिलाफ बड़े पैमाने पर हत्याएं हो सकती हैं।

चारों ओर से घिरे और बेबस महसूस कर रहे बांग्लादेश के हिंदू अपनी जान बचाने के लिए भारत से मदद की गुहार लगा रहे हैं। हिंदुओं ने वहां एक राजनीतिक पार्टी बनाई है और बांग्लादेश में चुनाव लड़ने का प्रस्ताव रखा है।

कुछ प्रमुख लोग अब आने वाले संसदीय चुनाव के लिए उम्मीदवार तय करने में जुट गए हैं। बांग्लादेश माइनॉरिटी जातीय पार्टी (बीएमजेपी) उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप दे रही है और नामांकन की अंतिम तिथि से पहले कागजात दाखिल करने की तैयारी कर रही है।

यह नई पार्टी भारत से अपील कर रही है कि वह बांग्लादेश के प्रति अपनी नीति में तुरंत बदलाव करे। अब तक भारत केवल अवामी पार्टी से ही बातचीत करता रहा है और अन्य राजनीतिक दलों को नजरअंदाज किया गया है। अब अगर भारत देश की अन्य प्रमुख पार्टियों के साथ बातचीत शुरु करता है तो इससे फर्क पड़ेगा।

वैसे भी, हिंदू समुदाय देश में नरसंहार और बड़े पैमाने पर हत्याओं के डर में जी रहा है और उनकी रक्षा के लिए कोई ठोस संस्थागत व्यवस्था नहीं है। इस स्थिति में, हताश हिंदू लोग, राजनीतिक संगठनों के माध्यम से हिन्दुओं की रक्षा करने की कोशिश कर रहे हैं।

लेकिन देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए जो बुनियादी शर्तें होती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

श्रीगंगानगर : बीएसएफ कैंप ग्राउंड में रनिंग टेस्ट के दौरान अभ्यर्थियों पर मधुमक्खियों का हमला

मधुमक्खियों ने करीब 60 कैंडिडेट्स को डंक मारा, सेना की एंबुलेंस व 108 से 18 कैंडिडेट्स को अस्पताल में भर्ती कराया

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) की कांस्टेबल ट्रेड्समैन भर्ती में शामिल होने आए अभ्यर्थियों पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। इसमें 18 कैंडिडेट्स घायल हो गए, जिन्हें सेना की एंबुलेंस व 108 के जरिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से तीन जने गंभीर घायल हो गए।

- हादसे के बाद पहले बैच के रनिंग टेस्ट को रद्द कर तारीख आगे बढ़ाते हुए 19 जनवरी को दोबारा दौड़ के लिए बुलाया गया
- मधुमक्खियों से बचने के लिए अभ्यर्थी इधर-उधर भागने लगे, लेकिन मधुमक्खियों ने पीछा नहीं छोड़ा, कई गिर पड़े, एक अभ्यर्थी बेहोश हो गया

जैसे ही अभ्यर्थियों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया तो एमरजेंसी में डॉक्टरों व नर्सिंग स्टॉफ की पूरी टीम अभ्यर्थियों के इलाज में जुट गई। कई अभ्यर्थी मधुमक्खियों के डंक से कहरा रहे थे तो कुछ को यह चिंता सता रही थी कि दौड़ बीच में छूट गई, अब क्या होगा। अधिकतर अभ्यर्थी कहते नजर आए कि उन्होंने भर्ती के लिए बीते 6-8 माह से लगातार प्रयास किए हैं। कुछ ही समय में वे दौड़ भी पूरी कर लेते, लेकिन अब घर क्या बताएंगे। बीएसएफ के जवान भी जिला अस्पताल के स्टॉफ का हर संभव सहयोग कर रहे थे। साथ ही सांत्वना भी देते दिखे कि परेशान ना हो। पीएमओ डॉ. सुखपाल सिंह बराड़, डीसी डॉ. ज्योत्सना चौधरी, डॉ. मनवीर, एमरजेंसी इंचार्ज राकेश कुमार, नर्सिंग ऑफिसर राहुल कुमार व सुनील यादव आदि ने पूरा सहयोग किया। एमरजेंसी इंचार्ज राकेश कुमार का कहना था कि शाम चार बजे तक ज्यादातर अभ्यर्थियों को डिस्चार्ज कर दिया गया था।

जानकारी के अनुसार 48वीं बटालियन बीएसएफ कैंप ग्राउंड में रनिंग टेस्ट के दौरान पहले राउंड में 100 अभ्यर्थी दौड़ रहे थे। इसी दौरान मधुमक्खियों के झुंड ने अचानक हमला कर दिया। देखते ही देखते अफरा-तफरी का माहौल हो गया। मधुमक्खियों के हमले से बचने के लिए अभ्यर्थी इधर-उधर भागने लगे, लेकिन मधुमक्खियों ने पीछा नहीं छोड़ा। कई गिर पड़े, वहीं एक अभ्यर्थी बेहोश भी हो गया। मधुमक्खियों ने करीब 60 कैंडिडेट्स को डंक मारा, इनमें 18 जनों को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया। बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार भर्ती का पहला दिन था। करीब 700 अभ्यर्थी बुलाए गए थे। हादसे के बाद पहले बैच के रनिंग टेस्ट को रद्द कर दिया गया और तारीख आगे बढ़ाते हुए 19 जनवरी को दोबारा दौड़ के लिए बुलाया गया है।

जानकारी के अनुसार भर्ती के लिए 24 मिनट में 5 किमी. दौड़ के लिए 12 राउंड पूरे करने थे। जोधपुर जिले में भोपालगढ़ के जाटों की ढाणी, निवासी आम्रराम बेडा ने बताया कि पिछले दो माह से लगातार दौड़ की तैयारी कर रहा है। 24 मिनट में 12 राउंड पूरे करने के लिए 5 किमी की दौड़ तय की गई थी। 8 राउंड पूरे कर लिए, 9 वें राउंड में मधुमक्खियों ने अचानक हमला कर दिया। 8 मिनट 32 सैकिंड शेष थे, आराम से दौड़ पूरी कर लेता, लेकिन अब खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। सीकर जिले के पाटन तहसील के गांव खारिया निवासी सुंदर यादव का कहना है कि पिता ताराचंद यादव किसान हैं। भर्ती के लिए 6 माह से अथक प्रयास कर रहा था। 10 राउंड भी पूरे कर लिए थे। 11 वें राउंड में एक साथ कई मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। मैं गिर गया और बेहोश हो गया। यदि सब कुछ ठीक रहता तो महज 18-19 मिनट में ही 12 राउंड पूरे कर लेता। 19 जनवरी को पुनः भर्ती के लिए श्रीगंगानगर आऊंगा।

आम्रराम बेडा सुंदर यादव उप परियोजना निदेशक आत्मा सुरेश कुमार ने बताया कि कि ठंड के महीनों में मधुमक्खियां आक्रामक नहीं, बल्कि खुद को और अपने छत्ते को बचाने के लिए सतर्क हो जाती हैं। एक सर्दियों में फूलों की संख्या काफी कम हो जाती है, जिससे मधुमक्खियों को भोजन की कमी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में वे अपने छत्ते में जमा शहद की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती हैं। ठंड से बचने के लिए पूरा झुंड छत्ते के अंदर सिमटकर रहता है और शरीर की गर्मी बनाए रखता है। इस दौरान अगर छत्ता हिलता है, तेज आवाज़ होती है या कोई व्यक्ति बहुत पास चला जाता है तो मधुमक्खियां इसे सीधे हमले के रूप में लेती हैं और समूह में प्रतिक्रिया करती हैं। बीएसएफ ने भी इस बारे में पहले ही जिला अस्पताल को सूचना दे दी थी।

गुजरात से लापता व्यक्ति का शव डूंगरपुर में मिला

- बेटे ने शव देखकर पहचान की, चार दिन पहले घर से बिना बताए निकला था

डूंगरपुर, (निसं)। रामसागडा थाना क्षेत्र के वीरपुर गांव में शुक्रवार को कुएं में मिले शव की पहचान हो गई है। यह शव गुजरात के अरवल्ली जिले के मेघरज निवासी नवीन भाई पांडोर का है, जो चार दिन से लापता थे। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

रामसागडा थाना पुलिस के अनुसार, नवीन भाई पांडोर के बेटे दीपेन कुमार पुत्र नवीन भाई पांडोर निवासी वाटा पाणीबार, मेघरज, जिला अरवल्ली ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। दीपेन कुमार ने बताया कि उनके पिता नवीन भाई पांडोर 23 दिसंबर को घर से बिना बताए निकल गए थे। परिवार के सदस्यों ने उनकी काफी तलाश की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। इसी बीच, 26 दिसंबर को वीरपुर गांव में एक कुएं में एक व्यक्ति का शव मिला। शव को डूंगरपुर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया था। परिजनों को जब नवीन भाई पांडोर के शव मिलने की सूचना मिली, तो वे शनिवार को डूंगरपुर पहुंचे। मोर्चरी में शव देखने के बाद उसकी पहचान नवीन भाई पांडोर के रूप में की गई। इसके बाद परिजनों ने घटना के संबंध में पुलिस को रिपोर्ट दी। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया है।

युवती ने आत्महत्या की : उदयपुर के हिरणमगरी थाना क्षेत्र में युवती ने विषाक्त वस्तु सेवन कर आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार खेड़ापाल बिछीवाड़ा डूंगरपुर हाल हिरणमगरी पानेरियों की मादड़ी निवासी सुनीता कटारा पुत्री समशेर कटारा ने विषाक्त वस्तु सेवन कर आत्महत्या कर ली। सुनीता पढ़ाई करती थी एवं किराणा दुकान पर काम करती थी। गुरूवार शाम सुनीता जडाव नर्सरी के समीप स्थित रेल्वे पुल के पास अचेत अवस्था में मिली, जिसे निजी चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां से प्राथमिक उपचार बाद रेफर करने पर एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। वहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। जीवननाथ एएसआई ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा।

अज्ञात व्यक्ति की लाश मिली

उदयपुर, (निसं)। कुराबड़ थाना क्षेत्र में रेती स्टैण्ड की तरफ अज्ञात व्यक्ति की लाश मिली। जिसे एएसआई जीवननाथ ने मौके से हटाकर चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की उम्र करीब पचास वर्ष रंग गेहुआ, कद 5.5 फीट, सिर पर सफेद बाल व मुंह पर सफेद दाढ़ी, सफेद टी शर्ट, ब्लू करल पेंट पहने है।

युवती ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी थाना इलाके में एक युवती ने घर में फांसी लगाकर सुसाईड कर लिया। पुलिस ने शनिवार को मृतका के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा ने बताया कि पूनम कॉलोनी निवासी राखी वर्मा (30) ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। थानाधिकारी ने बताया कि फिलहाल आत्महत्या के पीछे कोई कारण सामने नहीं आया है। मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

क्लिंकर हटाने के दौरान बायलर क्षतिग्रस्त, जेईएन समेत कई मजदूर घायल

छबड़ा में सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट की छठी इकाई में विद्युत उत्पादन ठप होने थर्मल को करोड़ों रूपए का नुकसान हो रहा है

छबड़ा, (निसं)। सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट की छठी इकाई के बायलर में क्लिंकर जमा हो जाने के चलते तीन दिन पूर्व इकाई से विद्युत उत्पादन ठप हो गया है। तकनीकी अधिकारियों द्वारा शनिवार तड़के क्लिंकर हटाने के दौरान बायलर क्षतिग्रस्त हो गया और जेईएन समेत तीन-चार मजदूर घायल हो गए।

- सुपर क्रिटिकल पॉवर प्लांट की 660 मेगावाट की छठी इकाई के बायलर में कठोर राख के ढेर जमा हो जाने से 24 दिसंबर रात 11 बजे से विद्युत उत्पादन ठप हो गया था
- तकनीकी अधिकारियों द्वारा बायलर की सफाई की जा रही थी, इसी दौरान बायलर में जमे क्लिंकर का कुछ हिस्सा गिर गया था
- विधायक प्रतापसिंह सिंघवी ने थर्मल अधिकारियों पर बायलर के मेंटेनेंस के मामले में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए मामले की जांच की मांग की

थर्मल सूत्रों के अनुसार सुपर क्रिटिकल पॉवर प्लांट की 660 मेगावाट की छठी इकाई के बायलर में कठोर राख के ढेर जमा हो जाने से 24 दिसंबर रात 11 बजे से विद्युत उत्पादन ठप हो गया। शनिवार तड़के 5-6 बजे तकनीकी अधिकारियों द्वारा बायलर की सफाई की जा रही थी। इसी दौरान बायलर में जमे क्लिंकर का कुछ हिस्सा गिर गया, जिससे बायलर क्षतिग्रस्त हो गया और यहां काम कर रहे जेईएन सहित 3-4 मजदूर घायल हो गए। सुपर क्रिटिकल पॉवर प्लांट के तकनीकी सहायक एक्सईएन जगदीश गुप्ता ने बताया कि बायलर में क्लिंकर जमा होने के चलते विद्युत उत्पादन ठप हो गया था। बायलर से क्लिंकर हटाए जाने की प्रक्रिया चल रही है। इस मामले में चीफ इंजिनियर दिनेश सिंह से संपर्क नहीं हो सका। विधायक प्रतापसिंह सिंघवी ने थर्मल अधिकारियों पर बायलर के मेंटेनेंस के मामले में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए पूरे मामले की जांच की मांग की है और रखरखाव के लिए जिम्मेदार दोषी अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग की है। वहीं, विद्युत उत्पादन ठप होने व बायलर के क्षतिग्रस्त होने से थर्मल को करोड़ों रूपए का नुकसान हो रहा है।

गौरतलब है कि थर्मल पावर प्लांट के बॉयलर में क्लिंकर (राख के कठोर जमाव) जमने से यूनिट बंद हो जाती है क्योंकि ये जमाव बॉयलर ट्यूब्स को नुकसान पहुंचाते हैं, गर्मी के प्रवाह को रोकते हैं और अंततः गिरकर बॉयलर के निचले हिस्सों को तोड़ सकते हैं, जिससे उत्पादन रुक जाता है और रखरखाव की जरूरत पड़ती है। कोयले की गुणवत्ता, अत्यधिक तापमान और एयरफ्लो के असंतुलन जैसी चीजें इसके मुख्य कारण हैं।

शून्य नामांकन वाले 31 जिलों के 97 स्कूल बंद

- स्कूलों को बंद कर पास के ही स्कूल में मर्ज किया

बीकानेर, (निसं)। नया शिक्षा सत्र शुरू होने से पहले ही शिक्षा विभाग ने प्रदेश के 31 जिलों के 97 विद्यालय बंद कर दिए गए। इनमें 88 प्राथमिक और 9 उच्च प्राथमिक स्कूल हैं। शून्य नामांकन होने के कारण इन स्कूलों को बंद कर पास के ही स्कूल में मर्ज कर दिया है। जोधपुर जिले के सबसे अधिक 13 स्कूलों को बंद किया गया है, जबकि बीकानेर का एक स्कूल इस सूची में शामिल है।

बीकानेर के नोखा ब्लॉक के स्कूल को पास के स्कूल में मर्ज किया गया है। पिछले महीने प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय ने शून्य नामांकन वाले स्कूलों की रिपोर्ट संबंधित जिला शिक्षा अधिकारियों से मंगाई थी। राज्य सरकार की स्वीकृति के बाद प्रारंभिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने इन स्कूलों को सुव्यवस्थित करते हुए पास के स्कूल में मर्ज करने के निर्देश जारी किए हैं। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि मर्ज होने के बाद संबंधित प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूल की समस्त संपत्तियां जैसे भूमि, भवन, खेल मैदान, फर्नीचर, शैक्षणिक उपकरण आदि पर जिस में मर्ज किया गया है उसी स्कूल का ही अधिकार होगा।

जानकारी के अनुसार राज्य में लगभग 230 प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों में नामांकन शून्य है। वर्तमान में प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय की ओर से 97 स्कूलों को मर्ज करने के आदेश जारी किए गए हैं। शून्य नामांकन वाले अन्य लगभग 133 ऐसे प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय जिनका एकीकरण पास के उच्च माध्यमिक स्कूलों में किया जाना है, इस संबंध में आदेश माध्यमिक शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी किए जाएंगे। इन 97 स्कूलों से अधिशेष हुए कार्मिकों को जहां अधिक नामांकन है उन स्कूलों में रिक्त पदों पर लगाया जाएगा। स्टाफिंग उपरांत अधिशेष शिक्षकों के पदस्थापन होने तक इन कार्मिकों को कार्य व्यवस्थार्थ उसी पीईईओ क्षेत्र के अन्य सरकारी स्कूल में लगाए जाने के निर्देश संबंधी जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक को दिए गए हैं, जहां नामांकन की अपेक्षा कार्यरत शिक्षक कम है।

युवक ने की आत्महत्या

उदयपुर, (निसं)। शहर के हिरणमगरी थाना क्षेत्र में युवक ने विषाक्त वस्तु सेवन कर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने आरोपी के खिलाफ आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का प्रकरण दर्ज करवाया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सविना थाना क्षेत्र निवासी कमलेश पुत्र हेमराज चौधरी ने विषाक्त वस्तु सेवन कर आत्महत्या कर ली। कमलेश ऑटा चक्की चलाता है एवं प्रोपर्टी का काम भी करता है। गत दिनों उसने रजा कॉलोनी निवासी शाहिद पुत्र चांद मोहम्मद को एक भूखण्ड बेचा था। कुछ दिनों बाद शाहिद ने भूखण्ड का सौदा निरस्त कर रूपये मांगना शुरू कर दिया था। इसको लेकर परेशान कमलेश ने विषाक्त वस्तु सेवन कर चक्की पर जाकर सो गया था। शनिवार सवेरे जाग नहीं होने पर परिजनों ने देखा तो वह अचेतावस्था में पड़ा था, जिसे परिजन चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस पर सविना थानाधिकारी भंवरलाल ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। हेमराज चौधरी ने शाहिद के खिलाफ आत्महत्या करने के लिए प्रेरित करने का प्रकरण दर्ज करवाया है।

वांछित योग्यता जांचे बिना फॉर्म भरने वाले ई-मित्र संचालकों पर होगी कार्रवाई

आरपीएससी ने प्रदेश में संचालित 80 हजार ई-मित्र कियोस्क संचालकों द्वारा की जा रही गंभीर लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाया

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने प्रदेश में संचालित 80 हजार ई-मित्र कियोस्क संचालकों द्वारा की जा रही गंभीर लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाया है। आयोग ने पाया है कि कई ई-मित्र संचालक बिना शैक्षणिक योग्यता जांचे ही अभ्यर्थियों के ऑनलाइन आवेदन भर रहे हैं, जिसके कारण विभिन्न भर्तियों के तहत बड़ी संख्या में अपात्र अभ्यर्थियों के आवेदन आयोग को प्राप्त हो रहे हैं। इस संबंध में आयोग द्वारा सूचना एवं प्रौद्योगिकी और संचार विभाग को ई-मित्र संचालकों को निर्देशित करने के संबंध में पत्र प्रेषित किया जा चुका है।

- आयोग ने स्पष्ट किया है कि गलत तरीके से आवेदन भरना केवल अभ्यर्थी की गलती ही नहीं है, ऐसा करने वाले ई-मित्र संचालक भी अपराध के भागीदार हैं
- आयोग ने राज्य के सभी जिला कलैक्टरों से भी आग्रह किया है, कि वे अपने जिले के ई-मित्र संचालकों की निगरानी करें और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करें

आयोग सचिव ने बताया कि जब भी किसी भर्ती का विज्ञापन निकलता है, तो ई-मित्र संचालक अभ्यर्थी की मूल शैक्षणिक योग्यता की जांच नहीं करते। वे केवल मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी के जरिए आवेदन पत्र भर देते हैं। इस लापरवाही के कारण कई भर्तियों में लाखों की संख्या में ऐसे अभ्यर्थी आवेदन कर देते हैं जो उस पद के लिए वांछित शैक्षणिक योग्यता तक नहीं रखते हैं। इससे परीक्षाओं के आयोजन में अनावश्यक श्रम, समय और सरकारी धन की बर्बादी होती है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि गलत तरीके से आवेदन भरना केवल अभ्यर्थी की गलती ही नहीं है। ऐसा करने वाले ई-मित्र संचालक भी भारतीय न्याय संहिता की धारा 217 के तहत अपराध के भागीदार हैं। आयोग ने राज्य के सभी जिला कलैक्टरों से भी आग्रह किया है, कि वे अपने जिले के ई-मित्र संचालकों की निगरानी करें और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करें।

आयोग के कड़े निर्देश, अनिवार्य जांच :- अब ई-मित्र संचालकों को फॉर्म भरने से पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि अभ्यर्थी के पास उस पद के लिए आवश्यक न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता है या नहीं। प्रदेश के सभी ई-मित्र संचालकों को इस संबंध में आवश्यक प्रशिक्षण और दिशा-निर्देश देने के लिए सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग को कहा गया है।

128 वाहनों का चालान काटे

पावटा। प्रागपुरा पुलिस थाना क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने एवं सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से लेन ड्राइव सिस्टम के तहत विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले कुल 128 वाहनों के विरूद्ध मोटर वाहन अधिनियम (एमवी एक्ट) के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिले मे लेन ड्राईव सिस्टम के तहत अवैध थानाधिकारियो को निर्देशित किया गया था। अपुलिस अधीक्षक कोटपुतली जिला कोटपूतली-बहरोड नाजिम अली के सुपरविजन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर उमेश कुमार निठारवाल के निर्देशन मे थानाधिकारी पुलिस थाना प्रागपुरा भजनाराम के नेतृत्व मे टीम का गठन कर लेन ड्राइव सिस्टम का पालन न करने, गलत दिशा में वाहन चलाने, बिना हेलमेट व सीट बेल्ट के वाहन संचालन सहित अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर 128 वाहन चालकों के विरूद्ध कार्यवाही कर एमवीएक्ट के तहत 128 चालान किये।

नशे में पुलिस पर कार चढ़ाने का प्रयास, चालक गिरफ्तार

- पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए कूदकर जान बचाई

कोटा, (निसं)। अनंतपुरा पुलिस टीम ने नाकाबन्दी के दौरान नशे में धुत कार चालक द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से कार चढ़ाने के प्रयास एवं नाकाबंदी तोड़ राजकार्य में बाधा पहुंचाने के मामले में कार्यवाही करते हुए कार चालक को गिरफ्तार किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि जिले में अवैध गतिविधियों की रोकथाम व यातायात नियमों की पालना हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। शहर एसपी ने बताया कि अनंतपुरा थाने के सहायक उप निरीक्षक कुन्दन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम बरड़ा बस्ती चौराहे पर नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग कर रहे थे, उसी दौरान पुलिस टीम को एक कार तेज गति व लापरवाही से आती हुई दिखाई दी। शहर एसपी ने बताया कि नाकाबन्दी के दौरान पुलिस टीम ने जब कार चालक को रूकने का इशारा किया तो चालक ने कार को रोकने के बजाय पुलिस टीम पर चढ़ाने का प्रयास किया, तो पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए कूदकर अपनी जान बचाई। कार चालक ने हड़बड़ाहट में नशे में धुत होकर कार को बैरिकेट पर दे मारा जिससे सरकारी संपति को नुकसान हुआ। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने कार का पीछा कर चालक को रोककर कार्यवाही करते हुए अजय आहूजा नगर रंगबाड़ी निवासी देवेन्द्र सिंह हाड़ा (27) को गिरफ्तार किया। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने मौके पर ब्रेथ एनालाइजर से चेक किया तो कार चालक के शराब के नशे में होने की पुष्टि हुई। पुलिस टीम ने मौके से आरोपी को गिरफ्तार कर क्षतिग्रस्त कार को जप्त कर लिया है।

तीन फरार आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाये जा रहे विशेष अभियान वांछित अपराधियों के विरूद्ध के तहत थानाधिकारी डिग्गी के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा थाने में दर्ज प्रकरण में 9 माह से फरार आरोपी भागचन्द पुत्र शंकरलाल मीणा निवासी भीपुर को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त मोटरसाईकिल को जब्त किया गया है। इसी क्रम में थानाधिकारी घाड़ के नेतृत्व में गठित टीम न्यायालय से फरार स्थायी वारंटी हीरालाल पुत्र लक्ष्मीनारायण को गिरफ्तार किया गया है। इसी प्रकार थाना झिराना पुलिस टीम द्वारा एक वर्ष से अधिक समय से पुराने प्रकरण में फरार आरोपी महावीर प्रसाद मीना को गिरफ्तार किया गया, जिसके खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

पान मसाला के भ्रामक विज्ञापन को लेकर फिल्म अभिनेता सलमान खान को नोटिस

कोर्ट ने 20 जनवरी को सलमान खान को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिए निर्देशित किया

कोटा, (निसं)। पान मसाला के भ्रामक विज्ञापन का आरोप लगाते हुए फिल्म अभिनेता और बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान सहित अन्य के खिलाफ कोटा के उपभोक्ता न्यायालय में वाद पेश किया गया था। इसमें सलमान खान की तरफ से भी जवाब पेश कर दिया गया था, लेकिन इस जवाब में सलमान खान के हस्ताक्षर को फर्जी बताते हुए परिवादी ने फॉरेंसिक जांच की मांग की थी। इसे उपभोक्ता न्यायालय ने स्वीकार कर लिया है। साथ ही 20 जनवरी को सलमान खान को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिए निर्देशित किया है।

- पान मसाला के भ्रामक विज्ञापन का आरोप लगाते हुए फिल्म अभिनेता सलमान खान सहित अन्य के खिलाफ कोटा के उपभोक्ता न्यायालय में वाद पेश किया गया था
- कोटा उपभोक्ता न्यायालय ने सलमान खान को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपने हस्ताक्षर का नमूना देने के आदेश दिया, इस मामले में न्यायालय के आदेश के अनुसार हस्ताक्षरों की जांच रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी

अधिवक्ता रिपुदमन सिंह ने बताया कि 27 नवंबर को पान मसाले के विज्ञापन को लेकर इंद्र मोहन सिंह हनी ने परिवाद पेश किया था। जिसमें उन्होंने बताया था कि सलमान खान एक पान मसाला का विज्ञापन करते हैं। इसमें पान मसाला को केसर युक्त बताया जा रहा है जबकि ऐसा नहीं होता है। केसर के दाम और पान मसाला के दाम में भारी अंतर है। इस भ्रामक विज्ञापन के चलते युवा भ्रमित हो रहे हैं। इसके संबंध में सलमान खान ने जवाब पेश किया है जिसमें सलमान खान ने बताया कि वह उन पर लगाए गए आरोप से भली-भांति परिचित हैं। इस मामले में वह प्रतिवादी नंबर दो हैं। साथ ही उन्होंने आपत्ति जताई है कि वर्तमान क्षेत्राधिकार के शिकायत को विवादित बताया है। ऐसे में सलमान खान ने अपना नाम प्रतिवादी दो से विलोपित करने की मांग की है। इसको लेकर उपभोक्ता न्यायालय में सुनवाई हुई थी। परिवादी ने सलमान के जवाब को लेकर आपत्ति दर्ज की है। इस पर उपभोक्ता न्यायालय कोटा ने अभिनेता सलमान खान को 20 जनवरी को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का आदेश दिया। इसके साथ ही उनके हस्ताक्षर की भी फॉरेंसिक जांच करने के निर्देश दिए हैं जिसके लिए सलमान खान को स्वयं न्यायालय में उपस्थित होकर अपना हस्ताक्षर नमूना देने होगा। इसकी तुलना प्रस्तुत दस्तावेजों से कराई जाएगी। इस मामले में न्यायालय के आदेश के अनुसार हस्ताक्षरों की जांच रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

आपसी कहासुनी में दो युवकों पर हमला, आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। गोगुन्दा कस्बे में आपसी कहासुनी के दौरान आरोपी ने चाकू से हमला कर युवक व साथी को घायल कर दिया। मामले में आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इधर, घटना के विरोध में गोगुन्दा का बाजार आधे दिन बंद रहा।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनेश पुत्र लक्ष्मीलाल व उसके साथी चेतन पुत्र किशनलाल नायक पर आरोपी उदयपुर निवासी शाहनवाज पुत्र फिरोज चाकू से हमला कर फरार हो गया। दिनेश व शाहनवाज दोनों साथ मजदूरी करते हैं। शुक्रवार को दिनेश बस में बैठकर गोगुन्दा जा रहा था, जहां फतहपुरा से शाहनवाज भी बस में बैठा और बीच रास्ते दोनों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। गोगुन्दा बस से उतरने पर शाहनवाज ने चाकू से दिनेश पर हमला किया तथा बचाव में आए चेतन पर हमला कर फरार हो गया। दोनों को उपचार के लिए चिकित्सालय पहुंचाया। घटना का पता चलने पर ग्रामीणों ने आक्रोशित होकर आरोपी के साथ मारपीट की तथा सख्त कार्यवाही की मांग पर अड़ गए। घटना के विरोध आधा दिन गोगुन्दा बाजार भी बंद रहा। इधर, मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उपाधीक्षक के सुपरविजन में गोगुन्दा थानाधिकारी श्यामसिंह ने आरोपी शाहनवाज को गिरफ्तार कर लिया है।

अवैध मादक पदार्थ सहित दो गिरफ्तार : कोटा के भीमगंजमंडी पुलिस टीम ने इलाके में गश्त के दौरान अवैध मादक पदार्थ 1 किलो 485 गांजा सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि भीमगंजमंडी थानाधिकारी रामकिशन गौदारा ने मय जाप्ता इलाके में गश्त के दौरान अजय आहूजा पार्क माला रोड़ के पास बाहर के धाकड़खेड़ी निवासी बबलू मेघवाल (23) एवं कच्ची बस्ती रंगबाड़ी निवासी लखन सोनी (25) के पास से अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद कर एनडीपीएस एक्ट में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

तीन दुकानों के ताले तोड़ नगदी व सामान चोरी

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम थाना इलाके में शुक्रवार देर रात्रि को अज्ञात चोर तीन दुकानों के ताले तोड़कर दुकान में रखी नकदी व अन्य सामान लेकर फरार हो गये। तीन दुकानों में से एक दुकान में लगे सीसीटीवी में चोरी का घटनाक्रम कैद हो गया। पुलिस ने दुकानदारों की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि इलाके के आंवली रोजड़ी में अज्ञात चोर पलक निधि बिल्डिंग मेटेरियल की दुकान, शिव कृपा मार्बल की दुकान एवं श्रीराम ज्वैलर्स की दुकान के ताले तोड़कर दुकान में से नकदी व अन्य सामान चोरी करके ले गये। पुलिस ने बताया कि तीनों दुकानदारों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। तीनों दुकान में से अज्ञात चोर बिल्डिंग मेटेरियल की दुकान में से 15 हजार नकदी, मार्बल व ज्वैलर्स की शॉप से अज्ञात चोर नकदी व चांदी के आभूषण चोरी करके ले गये। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग
प्रथम तल, स्वास्थ्य भवन, भीनमाल रोड, जालोर
क्रमांक- अ.अ./चि.एवं स्वा./2025-26/3241-49 दिनांक- 18.12.2025
ई-निविदा सूचना संख्या 28/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस खण्ड के अन्तर्गत विभिन्न चिकित्सालयों पर रू. 48.50 लाख के 1 सिविल कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों के समकक्ष हो से निर्माण कार्य हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डिरिंग प्रक्रिया ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधी विवरण डीआईपीआर की वेबसाईट WWW.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेबसाईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है। NIB NO. MHS2526A3824
1. MHS2526WSOB05569
(राम कुमार कुर्डिया)
अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, जालोर
DIPR/C/19015/2025

सार-समाचार

जलग्रहण विकास व भू संरक्षण की समीक्षा

जालोर, (का.सं.)। जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग राजस्थान जयपुर के निदेशक मुहम्मद जुनैद की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट परिसर में जालोर सहित पाली, सिरोही, बालोतरा व बाड़मेर जिलों में मुख्यमंत्री जल स्वावम्बलन अभियान 2.0 एवं प्रधानमंत्री .षि सिंचाई योजना 2.0 के अंतर्गत जिला स्तरीय अधिकारियों एवं जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग के अभियन्ता के साथ विभागीय कार्यो की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण राजस्थान जयपुर के निदेशक मुहम्मद जुनैद ने मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 के कार्यों की आंकडों वार प्रगति की जानकारी लेते हुए फार्म पोंड निर्माण, वृक्षारोपण आदि कार्यों सहित प्रधानमंत्री .षि सिंचाई योजना 2.0 के तहत स्प्रिंकलर, मिनी स्प्रिंकलर एवं पाइपलाइन वितरण योजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने पंचायती राज, वन, वाटरशेड, जल संसाधन, कृषि, उद्यानिकी सहित विभिन्न विभागों से संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान के प्रथम चरण को 15 जनवरी तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। निदेशक ने मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 के तृतीय चरण के तहत प्री-सर्वे कार्य करते हुए विशेष कार्ययोजना बनाकर आगामी अप्रेल माह में कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के तहत प्रगतिरत एन.आर.एम कार्यों की विभागवार जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नंदकिशोर राजोरा, जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण जोधपुर के अतिरिक्त मुख्य अभियंता भागीरथ विष्नोई, संयुक्त निदेशक टी.पी सिंह, उप निदेशक अमित पाङ्कक, अधीक्षण अभियंता लक्ष्मण सिंह सान्दू सहित विभाग के अधिषासी, सहायक एवं कनिश्ङ्क अभियन्ता उपस्थित रहे।

कुरजां महोत्सव खींचन में शुरू

फलोदी, (निसं)। कुरजां महोत्सव का आगाज शुक्रवार को फलोदी के खींचन ग्राम से हुआ। जिला कलैक्टर श्वेता चौहान व विधायक पब्बाराम विश्नोई के साथ आमजन ने पक्षी चुगाघर से कुरजां का अवलोकन करते हुए गांव की हवेलियों को देखा। ग्रामीणों द्वारा पारंपरिक रीति रिवाजों व कुरजां के आगमन को लेकर मंगल गीत गाते हुए पर्यटकों का स्वागत किया गया। खींचन की हवेलियों का भ्रमण करते हुए जिला कलैक्टर श्वेता चौहान ने कहा कि जिले में पर्यटन को बढावा देने तथा जिले की संस्कृति व कला को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव से खींचन ग्राम के सांस्कृतिक वैभव को नई पहचान मिली हैं। विधायक पब्बाराम विश्नोई ने संबोधित करते हुए कहा कि कुरजां और खींचन एक-दूसरे की पहचान बन चुके हैं। कुरजां पक्षियों के कारण खींचन ग्राम को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है और अब कुरजां महोत्सव के माध्यम से गांव की हजारों वर्षों पुरानी संस्कृति, परंपराएं एवं लोकजीवन भी देश-विदेश के पर्यटकों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव क्षेत्रीय पर्यटन को सशक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। हवेलियों का भ्रमण करने के उपरांत सभी रातडी नाडी तालाब पर पहुंचे, जहां पर जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय की छात्राओं द्वारा कुरजां,तालाब,हवेलियों की चित्रकारी की गई। जिसका अवलोकन करते हुए जिला कलक्टर द्वारा सराहना की गई। इस दौरान उपखंड अधिकारी पूजा चौधरी,पर्यटन विभाग उप निदेशक भानु प्रताप, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौतम चौधरी,विकास अधिकारी ललित कुमार गर्ग सहित अन्य अधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों के साथ खीचन गांव का भ्रमण किया।

पौधारोपण से पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जालोर, (का.सं.)। जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण राजस्थान जयपुर के निदेशक मुहम्मद जुनैद ने मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 के अंतर्गत चारागाह एवं खड़ीन व एनिकट कार्यों का निरीक्षण किया। जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण राजस्थान जयपुर के निदेशक मुहम्मद जुनैद ने शनिवार को आहोर पंचायत समिति की बांकली ग्राम पंचायत के सेलड़ी ग्राम में 4 वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत 5 हैक्टेयर भूमि में 11 लाख की राशि से स्वीकृत चारागाह में लगाए गए 2 हजार पौधारोपण कार्य की सराहना करते हुए जलग्रहण पुनरूत्थान योजना में इस चारागाह के पास 5 हैक्टेयर भूमि में ऐसा ही चारागाह स्वीकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने चारागाह में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। निदेशक ने वेडिया में पक्का चैम डेम व सिराणा में खड़ीन निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने वेडिया में एनिकट निर्माण कार्य में कच्चे बांध का शीघ्र निर्माण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आईपुरा ग्राम पंचायत के सिराणा ग्राम में खड़ीन निर्माण कार्य को काश्तकारों के लिए उपयोगी बताते हुए मौके पर उपस्थित ग्राम पंचायत के प्रशासक व ग्रामवासियों से जलग्रहण विकास कार्यों से किसानों की उपज में हुई वृद्धि व कुंओं के जल स्तर में बढ़ोतरी आदि के बारे में जानकारी ली। जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण जोधपुर के अतिरिक्त मुख्य अभियंता भागीरथ विष्नोई, संयुक्त निदेशक टी.पी सिंह, उप निदेशक अमित पाठक, अधीक्षण अभियंता लक्ष्मण सिंह सान्दू सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पाऊपाडिया मार्ग बदहाल, लोग परेशान

पोकरण, (निसं)। पोकरण शहर से पाऊपाडिया गांव की ओर जाने वाला मुख्य सडक मार्ग इन दिनों जर्जर अवस्था में है, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड रहा है। इस मार्ग पर कई धार्मिक स्थल, सहवासी क्षेत्र, केंद्रीय विवेकानंद विद्यालय, बालिका महाविद्यालय स्थित हैं, जहां प्रतिदिन शिक्षक, छात्र-छात्राएं, ग्रामीण एवं शहरी नागरिकों के साथ-साथ धार्मिक स्थलों पर जाने वाले श्रद्धालु बडी संख्या में आवागमन करते हैं। सडक मार्ग जगह-जगह से पूरी तरह टूटा हुआ है, वहीं कई स्थानों पर वाहन खडे रहने के कारण यातायात और भी बाधित हो जाता है। इसके चलते रोजाना हजारों लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड रहा है। खासकर स्कूली बच्चों, बालिकाओं, बुजुर्गों एवं दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह मार्ग जोखिम भरा बन चुका है। क्षेत्रवासियों, शिक्षित बच्चों एवं ग्रामीणों द्वारा संबंधित विभागीय अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को कई बार अवगत करवाया जा चुका है, बावजूद इसके अब तक सडक मरम्मत का कोई ठोस कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है। इससे क्षेत्र के लोगों में गहरा रोष व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से शीघ्र सडक मरम्मत कराकर सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की मांग की है, ताकि विद्यार्थियों, श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों को राहत मिल सेैं

मुस्लित समाज क्रिकेट का फाइनल आज

जालोर, (कासं)। जिला मुस्लिम समाज की ओर से हजरत पीर मखदूम मियां मोटन शाह के वसी मैदान में आयोजित क्रिकेट, वॉलीबॉल एवं रस्साकस्सी प्रतियोगिता के सातवें दिन खेल प्रेमियों को रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। इस दौरान क्रिकेट के दो क्वार्टरफाइनल और एक सेमीफाइनल मैच खेले गए। दिन का पहला क्वार्टरफाइनल मुकाबला जानिसार क्लब और कोलर युवा क्लब के बीच खेला गया, जिसमें जानिसार क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 24 रन से जीत दर्ज की। वहीं दूसरा क्वार्टरफाइनल एम.एम. क्लब खेजरला और जिलानी क्लब भीनमाल के बीच हुआ, जिसमें एम.एम. क्लब खेजरला ने 70 रन के बडे अंतर से मुकाबला अपने नाम किया। इसके बाद खेले गए पहले सेमीफाइनल में कोलर मेहर क्लब और एम.एम. क्लब खेजरला आमने-सामने हुए। इस मुकाबले में कोलर मेहर क्लब ने 28 रन से जीत हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। आयोजन समिति के अनुसार प्रतियोगिता का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला रविवार को सुबह 9 बजे जानिसार क्लब और यारु कोलर इलेवन के बीच खेला जाएगा। वहीं वॉलीबॉल प्रतियोगिता के पहला और दूसरा सेमीफाइनल भी इसी दिन सुबह 11 बजे आयोजित होंगे। क्रिकेट, वॉलीबॉल एवं रस्साकस्सी प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला रविवार दोपहर 2 बजे खेला जाएगा, जो खेल प्रेमियों और मोजजि लोगों की मौजूदगी में संपन्न होगा। आयोजन समिति ने अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर खिलाडियों का उत्साह बढाने की अपील की है।

पोकरण में सक्षम का अधिवेशन आज

पोकरण, (निसं)। दिव्यांग सशक्तीकरण के क्षेत्र में सक्रिय संगठन सक्षम का प्रथम जिला अधिवेशन 28 दिसंबर को प्रातः 11.30 बजे आदर्श विद्या मंदिर, पोकरण में होगा। जिला अधिवेशन में दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए कार्य कर रहे व्यक्तियों, संस्थाओं एवं स्वयं दिव्यांगजनों का सम्मान किया जाएगा। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित दिव्यांग कल्याण योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी तथा पात्र दिव्यांगजनों का योजनाओं में पंजीयन भी किया जाएगा। दिव्यांग सशक्तीकरण को लेकर सुझाव एवं प्रस्ताव भी आमंत्रित किए जाएंगे। विधायक महंत प्रतापपुरी महाराज, उपखंड अधिकारी हीरसिंह चारण, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारा राजेंद्र पालीवाल, समाजसेवी महेंद्र व्यास, कुंवर परमविजय सिंह, विष्णु कुमार छंगाणी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

जोराराम कुमावत ने पौधारोपण व भामाशाह की मूर्ति का अनावरण किया

पाली/सुमेरपुर, (नि.सं.)। भारत में 536 मिलियन से अधिक पशुधन है, जो दुनिया में सबसे अधिक है। यदि भारत की बात करें तो सर्वाधित पशुधन वाले राज्यों में राजस्थान भी एक है। इसी पशुधन की वजह से प्रदेश में लगभग 70 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों की आय, भोजन और सुरक्षा के लिए पशुओं पर निर्भर है। यही वजह है कि राजस्थान सरकार मानव के साथ जानवरों की भी सेहत का ध्यान रख रही है। इसी के मददेनजर प्रदेश में पशु चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है। इसमें न केवल पशु चिकित्सा क्षेत्र में नई भर्तियां की जा रही हैं, बल्कि चिकित्सालयों को क्रमोन्नत करने के साथ-साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर को भी मजबूत किया जा रहा है। इसी कड़ी में कोसेलाव के क्रमोन्नत हुए राजकीय पशु चिकित्सालय के भवन का पुनःनिर्माण इसी गांव के मूल निवासी प्रवासी राजस्थानी कोठारी परिवार द्वारा किया गया है। यह बात पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने पुनःनिर्मित फुटरमल गुलाबचंद कोठारी राजकीय प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय भवन के उदघाटन अवसर पर कही। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने फीता काटकर पुनःनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि आज भी प्रवासी राजस्थानी अपनी मातृभूमि राजस्थान के विकास में कई तरह से योगदान दे रहे हैं। इसी का परिणाम है कि मुंबई में अपना व्यवसाय कर रहे कोठारी परिवार ने 50 लाख रुपए खर्च कर इस पशु चिकित्सालय भवन का पुनःनिर्माण कराया है। कार्यक्रम में पशुपालन मंत्री ने पशुपालकों के लिए संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। इस दौरान मंत्री कुमावत ने चिकित्सालय भवन परिसर में स्थापित फुटरमल, गुलाबचंद कोठारी की मूर्ति का अनावरण भी किया। साथ ही मंत्री कुमावत ने भवन परिसर में पौधारोपण किया। साथ ही उन्होंने कोठारी शीतल जल ग्रह का भी उद्‌घाटन किया।

कोठारी परिवार का सम्मान हुआ

पशुपालन विभाग, पाली के एडी मनोज कुमार ने बताया कि कोसेलाव के मूल निवासी कोठारी परिवार ने ही 1983 में इस पशु चिकित्सालय भवन का निर्माण कराया था। इस पशु चिकित्सालय के प्रथम श्रेणी में क्रमोन्नत होने व पुराना भवन क्षतिग्रस्त होने के कारण कोठारी परिवार ने ही पूरे भवन का पुनः निर्माण कराया है। इस मौके पर कोसेलाव के ग्रामवासियों की ओर से भामाशाह परिवार के बाबूलाल कोठारी व ललित कोठारी का सम्मान किया गया। साथ ही भामाशाह परिवार ने मंत्री कुमावत को भी सम्मान किया। इस दौरान कोठारी परिवार ने पशु चिकित्सालय के लिए कम्प्यूटर मय प्रिंटर भी दानस्वरूप भेंट किया। इस परिवार को सौजन्य से दो दिवसीय पशु चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया। इस शिविर का उदघाटन पशुपालन मंत्री कुमावत ने किया।

इस कार्यक्रम में पाली सरस डेयरी के अध्यक्ष प्रताप सिंह बिठिया, सरपंच सोनी देवी, पाली एडीएम ओम प्रभा, सुमेरपुर एसडीएम कालूराम कुम्हार, पूर्व सरपंच नारायण सिंह, पूर्व प्रधान सुमेर सिंह, उप सरपंच महावीर सिंह जोधा, भाजपा मण्डल अध्यक्ष रतन देवासी घेवरचंद कोठारी, जुगराज कोठारी, पूर्व जिला परिषद सदस्य हनुमान भाटी, पूर्व मंण्डल अध्यक्ष महिपाल सिंह जोधा सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

कुमावत ने गुड़िया प्रीमियर लीग का उद्‌घाटन किया

पाली जिले के प्रवास के दौरान मंत्री जोराराम कुमावत ने शनिवार को सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र में अनेक कार्यक्रमों में शिरकत की। उन्होंने ग्राम पंचायत गुड़िया में जीपीएल (गुड़िया प्रीमियर लीग) का बॉल खेलकर उदघाटन किया। कुमावत ने इससे पहले खिलाड़ियों का परिचय लिया और मैंच में विजेता टीम के खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुमावत ने कहा कि खेल हमारे जीवन में शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास के लिए बेहद ज़रूरी हैं, जो हमें स्वस्थ रखते हैं, तनाव कम करते हैं, अनुशासन, टीम वर्क और नेतृत्व सिखाते हैं, और आत्मविश्वास बढ़ाकर जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं, जिससे व्यक्तित्व का समठा विकास होता है और जीवन आनंदमय बनता है। उन्होंने कहा कि खेल हमें नैतिकता और संयम की महत्वपूर्ण शिक्षा भी प्रदान करता है। जब हम खेल में भाग लेते हैं, तो हमें नियमों और नियमितता का पालन करना पड़ता है। इससे हमारे अनुशासन, संयम और नैतिक मूल्य विकसित होते हैं। हमें अन्य खिलाड़ियों के साथ सही ढंग से खेलने की आवश्यकता होती है और हमें अपनी संख्या का सम्मान करना सिखाता है। खेल हमें टीम के साथ काम करने, उच्चतम मानकों की प्राप्ति करने और दूसरों के साथ सहयोग करने की क्षमता देता है। इस मौके पर ठाकुर इंद्र सिंह गुड़िया, पंचायत समिति सदस्य कुंदन सिंह, बलाणा ग्राम पंचायत के प्रशासक शंभुराम मीणा आदि मौजूद रहे।

पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने अपने प्रवास के दौरान कोसेलाव में श्री हिंगोनिया बालाजी सरस दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति की बैठक ली। उन्होंने पशुपालकों को राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में अवगत कराया। कुमावत के साथ सरस डेयरी पाली के अध्यक्ष प्रताप सिंह बिठिया, फतेह सिंह, सूर्यपाल सिंह, रामसिंह कोसेलाव, मंडल अध्यक्ष रतन देवासी, महिपाल जोधा, बलवंत परिहार, विमल माली आदि मौजूद रहे।

एड.श्रवण ढाका कांग्रेस विधि विभाग के अध्यक्ष

भीनमाल, (निसं)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा एवं कांग्रेस विधि विभाग के प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप सिंह पुनिया ने जालोर जिले के भीनमाल विधानसभा क्षेत्र के पुनासा निवासी एडवोकेट श्रवण ढाका को कांग्रेस विधि विभाग का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एडवोकेट श्रवण ढाका का राजनीतिक सफर छात्र राजनीति से प्रारंभ हुआ। वे छात्रसंघ में खेल सचिव, एनएसयूआई भीनमाल ब्लॉक अध्यक्ष, एनएसयूआई जिला महासचिव एवं प्रदेश सचिव रह चुके हैं। इसके पश्चात युवा कांग्रेस में जिला उपाध्यक्ष तथा वर्तमान में प्रदेश सचिव के रूप में संगठन को मजबूती प्रदान कर रहे हैं।

वर्तमान में वे भीनमाल बार एसोसिएशन के सचिव, बिश्नोई युवा संगठन के जिला अध्यक्ष एवं भीनमाल सेशन न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में सेवाएं दे रहे हैं।

इस नियुक्ति पर जिले के अधिवक्ताओं, कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं युवा साथियों में हर्ष का माहौल है। एडवोकेट श्रवण ढाका ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व एवं समस्त वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

नेवी पोलो सेंट्रल एकेडमी व ऑप्टिमस अचीवर्स फाइनल में

जोधपुर, (नि.सं.)। जोधपुर पोलो एवं इक्यूस्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के तत्वावधान में महाराजा गजसिंह स्पोर्ट्स फाउण्डेशन पोलो मैदान, लेफ्टिनेंट जनरल एवीएम एच.एच. महाराजा उम्मेदसिंह जी एयरपोर्ट रोड़, पाबूपुरा में चल रहे 26वें जोधपुर पोलो सीजन 2025 में शनिवार 27 दिसम्बर को एच.एच. महाराजा ऑफ जोधपुर कप (8 गोल) टूर्नामेंट के तहत सेमीफाइनल मैच खेले गये। पहला सेमीफाइनल दोपहर 2.30 बजे ऑप्टिमस अचीवर्स और जोधपुर के बीच खेला गया। जिसे अचीवर्स ने साढ़े सात के मुकाबले दस गोल कर ढ़ाई गोल के अन्तर से हराते हुए फाइनल में प्रवेष किया। वही जयपुर व नेवी पोलो सेन्ट्रल एकेडमी और जयपुर के बीच खेले गये दूसरे सेमीफाइनल में अन्तिम चक्कर तक दोनों ही टीमों के समान आठ-आठ गोल होने के कारण निर्णय के लिए गोल्डन गोल के लिए अतिरिक्त चक्कर का खेल खेला गया। जिसमें नेवी पोलो टीम ने गोल्डन गोल कर फाइनल में जगह बनाई मैच के दौरान जोधपुर पोलो के संरक्षक पूर्व महाराजा गजसिंह मैदान में उपस्थित थे।

जोधपुर पोलो एवं इक्यूस्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के मानद सचिव इन्द्रजीत सिंह नाथावत ने बताया कि पहले सेमीफाइनल में ऑप्टिमस अचीवर्स टीम की ओर से खेलते हुए टीम के दो हैण्डीकेप खिलाड़ी ध्रुवपाल गोदारा ने पहले ही चक्कर में लगातार चार गोल कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

ध्रुवपाल ने दूसरे व चौथे चक्कर में भी एक-एक कुल छह गोल किए। साथी खिलाड़ी अर्जेन्टीना के चार हैण्डीकेप के डेनियल ओटामेंडी ने दूसरे व तीसरे चक्कर में एक-एक व आर्यमन सिंह ने दूसरे चक्कर में एक गोल किया। मुकाबले में आधे गोल की शुरुआती बढ़त के साथ खेलते हुए जोधपुर टीम के तीन हैण्डीकेप के खिलाड़ी कुलदीप सिंह राठौड़ ने दूसरे चक्कर में एक व चौथे चक्कर में लगातार तीन गोल किए। साथी खिलाड़ी दो हैण्डीकेप के सलीम आजमी ने दूसरे व तीसरे चक्कर में एक-एक गोल व अर्जेन्टीना के चार हैण्डीकेप खिलाड़ी जरार्डो मजीनी ने तीसरे चक्कर में एक गोल किया।

उन्होंने बताया कि दूसरा सेमीफाइनल अन्तिम चक्कर तक रोमांचक बना रहा। कांटे की टक्कर में अन्तिम चक्कर तक दोनों ही टीमों ने आठ-आठ गोल किए।

जयपुर टीम के चार हैण्डीकेप खिलाड़ी अर्जेन्टीना के लांस वाटसन ने अकेले सात गोल किए। लांस ने ने पहले व दूसरे चक्कर में एक-एक गोल, तीसरे चक्कर में दो व चौथे चक्कर में तीन गोल किए। साथी खिलाड़ी चार हैण्डीकेप के ही एच.एच. महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह जयपुर ने भी पहले चक्कर में एक गोल किया। मुकाबले में विपक्षी टीम नेवी पोलो सेन्ट्रल एकेडमी के चार हैण्डीकेप के अर्जेन्टीना के खिलाड़ी मेन्युअल प्राडो ने भी शानदार प्रदर्षन करते हुए गोल्डन गोल सहित कुल आठ गोल किए।

प्राडो ने पहले चक्कर में एक गोल, दूसरे व तीसरे व चौथे चक्कर में दो-दो गोल व जीत के लिए निर्णायक गोल्डन गोल किया।

साथी खिलाड़ी तीन हैण्डीकेप के सैय्यद हूर अली ने चौथे चक्कर में एक गोल किया। दोनों ही सेमीफाइनल के अम्पायर अर्जेन्टीना के निकोलस स्कोर्टीचीनी व उदय कलान थे, पहले सेमीफाइनल के रैफरी समीर सुहाग व दूसरे मैच के रैफरी नवीन सिंह थे। मैच की कॉमेन्ट्री राजवी शैलेन्द्र सिंह, अंकुर मिश्रा व अविजीत सिंह रोहिट ने संयुक्त रूप से की।

फाइनल सहित लेडीज पोलो का प्रदर्शन मैच आज

28 दिसम्बर को एच.एच. महाराजा ऑफ जोधपुर (8 गोल) टूर्नामेंट का फाइनल ऑप्टिमस अचीवर्स और नेवी पोलो सेन्ट्रल एकेडमी टीमों के बीच दोपहर 2.30 बजे खेला जायेगा। फाइनल के पश्चात् दोपहर 3.30 बजे लेडीज पोलो का प्रदर्षन मैच खेला जायेगा।

पाली में बॉक्सिंग कप आज होगा

पाली, (नि.सं.)। पाली जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में 28 दिसम्बर 2025 को श्री बांगड़ स्टेडियम, पाली में जिला स्तरीय पुरुष एवं महिला बॉक्सिंग प्रतियोगिता पाली बॉक्सिंग कप 2025 - 6 का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता का शुभारंभ शाम 4 बजे होगा।

इस प्रतियोगिता का उद्देश्य जिले की उभरती हुई बॉक्सिंग प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना, उनके खेल कौशल का विकास करना तथा भविष्य की राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए खिलाड़ियों का चयन करना है। आयोजन में पाली जिले के विभिन्न ब्लॉक एवं तहसीलों से बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ी भाग लेंगे।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को आगे की प्रतियोगिताओं के लिए चयनित किया जाएगा तथा खिलाड़ियों और कोचों को सम्मानित किया जाएगा। आयोजन समिति ने जिले के खेल प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

शिक्षा विभागीय मंत्रालयिक कर्मचारी प्रतियोगिता शुरू

जालोर, (का.सं.)। 52वीं राज्य स्तरीय शिक्षा विभागीय मंत्रालयिक कर्मचारी खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का उद्‌घाटन समारोह शनिवार को पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भीनमाल में राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग के मुख्य आतिथ्य व सांसद लुम्बाराम चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ।

समारोह में जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में रानीवाड़ा के पूर्व विधायक नारायण सिंह देवल, जसराज पुरोहित, भीनमाल उपखण्ड अधिकारी मोहित कासनिया उपस्थित रहे।

उद्‌घाटन समारोह में मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा विभिन्न सेवाओं में खेल प्रतिभाओं का चयन करने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय शिक्षा विभागीय मंत्रालयिक कर्मचारी खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। ऐसे आयोजन कार्यक्षमता, अनुशासन और आपसी सौहार्द को मजबूत करते हैं। राज्य सरकार कर्मचारियों के सर्वांगीण विकास हेतु सदैव प्रतिबद्ध है। सांसद लुंबाराम चौधरी ने कहा कि खेल को खेल भावना से खेलना चाहिए। प्रतियोगिता सचिव निंबाराम चौधरी ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 17 इवेंट में 1000 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

इस अवसर पर महेंद्र सोलंकी, भरत सिंह भोजानी, किशोर सांखला, केराराम चौधरी, जय सिंह राव, जोरावर सिंह राव, प्रधानाचार्य शांतिलाल जीनगर, वागाराम सुथार, जगदीश जीनगर, मनोज दवे, कीर्ति वाजपेयी सहित खेल प्रेमी और नगरवासी उपस्थित रहे।

शरद महोत्सव का समापन

भीनमाल, (निसं)। श्रीमाली फाउंडेशन भीनमाल द्वारा आयोजित शरद महोत्सव का समापन श्रीमाली ब्राह्मणों की बगेची भीनमाल में आयोजित हुआ।

समापन समारोह में महंत तीर्थानंदजी महाराज ने बताया कि आज खेल का हमारे जीवन मे महत्वपूर्ण स्थान है। वही हमारे देश के प्रतिभावान खिला?ी अपने हुनर का लोहा विश्व पटल पर मनवा रहे है। एक समय था जब खेल को विद्यार्थियों के लिए समय खराब करने की दृष्टि से देखा जाता था लेकिन आज युवाओं ने अपने कृतित्व से खेल को नई शिक्षा नीति सहशैक्षणिक गतिविधि से शैक्षणिक गतिविधि बना दिया जो कि अभिनन्दन योग्य है।

श्रीमाली ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष शेखर व्यास ने बताया कि खेल जीवन का अभिन्न अंग है। खेल से परस्पर एकजुटता का भाव जगता है। फाउंडेशन अध्यक्ष कपिल व्यास ने बताया कि सदस्यों ने आयोजन सफल बनाने में सहयोग किया।

भामाशाहों द्वारा सभी विजेताओं को पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया। दो दिवसीय खेल महोत्सव के निष्पक्ष निर्णय हेतु निर्णायक कमेटी का गठन कार्यकारणी द्वारा किया गया था।

इस अवसर पर सुरेंद्र दवे, राहुल दवे, निखिल दवे, विपुल दवे, नीरज दवे, मयंक दवे, विशाल दवे, रतन लाल दवे, भगवती लाल दवे, उत्सव दवे, शैलेश दवे, राघव दवे, भाविन व्यास, हिमांशु दवे, प्रशांत त्रिवेदी, हीरालाल त्रिवेदी, नरेंद्र व्यास, महेंद्र व्यास, शुभम् दवे, धवल दवे, भाविन व्यास, संजय त्रिवेदी, रंजन व्यास, पूनम दवेसहित समाज के सभी बंधु उपस्थित रहे।।

गड़सीसर झील से अतिक्रमण हटाएं : न्यायाधीश डॉ. अफरोज

जैसलमेर, (नि.सं.)। राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी), प्रधानपीठ नई दिल्ली के सदस्य (न्यायाधीश) डॉ. अफरोज अहमद की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जैसलमेर जिले की पर्यावरण योजना के निर्माण एवं एनजीटी के आदेशों की अनुपालना को लेकर प्रगति समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में न्यायाधीश डॉ. अफरोज अहमद ने नगर परिषद आयुक्त लजपालसिँह सोढा को निर्देशित करते हुए कहा कि शहर के घरेलू कचरे का समुचित प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए, साथ ही गड़सीसर झील से सभी प्रकार के अतिक्रमण हटाकर उसके संरक्षण एवं संवर्धन के ठोस कदम उठाए जाएं।

उन्होंने गड़सीसर झील को जैसलमेर की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय धरोहर बताते हुए इसके संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की आवश्यकता बताई।

न्यायाधीश डॉ. अफरोज अहमद ने शहर से उत्पन्न होने वाले सॉलिड वेस्ट एवं लिक्विड वेस्ट के वैज्ञानिक एवं प्रभावी निस्तारण पर विशेष जोर देते हुए सभी विभागीय अधिकारियों को जिला पर्यावरण योजना के अनुरूप कार्य करने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए अनिवार्य जिम्मेदारी है। खनन विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी जगदीश चौधरी ने राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण द्वारा विभिन्न प्रकरणों में पारित आदेशों की अनुपालना की विस्तृत प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की एवं वर्तमान स्थिति से अवगत कराया।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर परसराम सैनी, उपवन संरक्षक कुमार शुभम, उपवन संरक्षक (वन्यजीव) बृजमोहन गुप्ता, उपवन संरक्षक आईजीएनपी देवेन्द्रसिंह भाटी, नगरपरिषद आयुक्त लजपालसिंह सोढा , खनन विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी जगदीश चौधरी सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं होगी एवं एनजीटी के आदेशों की शत-प्रतिशत अनुपालना सुनिश्चित की जाएगी।

जोगाराम ने अटल प्रगति पथ का लोकार्पण किया

जोधपुर, (कासं) । संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शनिवार को ग्राम पंचायत चौखा में बजट घोषणा वर्ष 2025-26 अटल प्रगति पथ चौपासनी वस्त्र मंत्रालय से दत्तोपंत ठेंगड़ी नगर होते हुए नयापुरा मैन रोड़ तक सीसी सड़क निर्माण कार्य (1.70 किमी) लागत राशि 2 करोड़ रुपये का विधिवत लोकार्पण किया।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा हमारे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पांच साल में 4 लाख सरकारी नौकरी देने एवं 10 लाख निजी रोजगार के अवसर सृजित करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा लगभग 92 हजार सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं और 1.53 लाख से अधिक पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं।

पटेल ने कहा आरपीएससी द्वारा 2026 में होने वाली भर्ती परीक्षाओं का कैलेंडर जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा युवा नीति भी जल्द लाई जाएगी।

'वोकल फॉर लोकल' से स्वदेशी उत्पादों का बढ़ावा

पटेल ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पीएम विश्वकर्मा योजना, आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल अभियान ने कारीगरों, उद्यिमयों और युवाओं को सशक्त बनाया है।

उन्होंने कहा इन पहलों से रोजगार, कौशल विकास और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा मिला है।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा 2 वर्ष के कार्यकाल में ग्राम पंचायत चौखा को अनेक सौगातें मिली है। उन्होंने कहा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए उप स्वास्थ्य केंद्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत कर नवीन भवन कार्य स्वीकृत किया गया। उन्होंने कहा नवीन सहायक अभियंता कार्यालय,अटल प्रगति पथ और नवीन पशु स्वास्थ्य केंद्र भवन स्वीकृत किया गया।

पेयजल समस्या का होगा समाधान

पटेल ने कहा 2.4 करोड़ की लागत से चौखा में क्षितठास्त झरना बांध का पुनः निर्माण और सिरोला बेरा के पास एनिकट का निर्माण करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा क्षेत्र पेयजल समस्या के समुचित समाधान के लिए रिवाइज्ड पेयजल परियोजना को शीघ्र स्वीकृत करवाया जाएगा।

उन्होंने कहा बालाजी मंदिर की सड़क का निर्माण भी करवाया जाएगा।

कार्यक्रम में छोटू सिंह राठौड़, गोविंद टाक, श्रवण पटेल, महेंद्र सिंह बेरू,सुमेर सिंह राजपुरोहित, भगवती सांखला, जितेन्द्र सिंह भांडू सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी उपस्थित रहे।

अलंकरण समारोह 11 को

जोधपुर, (कासं) । माहेश्वरी महाकुम्भ में इस बार कई नवाचार किए जा रहे हैं। इन नवाचारों के तहत जोधपुर में समाज अलंकरण समारोह आयोजित होगा जिसमें माहेश्वरी समाज के कर्मयोगियों को 'समाज रत्न', 'समाज भूषण' व 'समाज गौरव'अलंकरण से सुशोभित किया जाएगा।

समाज अलंकरण समिति के मयूर माहेश्वरी व नारायण राठी ने बताया कि अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के नेतृत्व तथा पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के आतिथ्य व जोधपुर माहेश्वरी सभा की ओर से 9 से 11 जनवरी को जोधपुर में अंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन व ग्लोबल एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है। इसमें देश विदेश के हजारों माहेश्वरी बंधु शिकरत करेंगे। ग्लोबल एक्सपो में जहां उद्यिमयों व व्यापारियों के पास फ्रैंचाइजी व नए रोजगार सृजन के अवसर होंगे। महाधिवेशन में समाज की उत्पत्ति, उत्थान, परम्परा, विकास व विजन पर मंथन होगा। इसी कड़ी में 11 जनवरी को महाधिवेशन में समाज अलंकरण समारोह आयोजित होगा जिसमें माहेश्वरी समाज के उन कर्मयोगियों को सम्मान किया जाएगा जिनका समाज व राष्ट्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में अतुलनीय योगदान रहा है।

आर्य समाज भवन में कवि सम्मेलन हुआ

जोधपुर, (कासं) । आर्य समाज के 82 वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर शनिवार को सूरसागर स्थित आर्य समाज भवन में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें कवयित्री नीलम व्यास स्वयंसिद्धा, कवि कल्याण के. विश्नोई, कुलदीप सिंह भाटी, उदीयमान शायर अरमान जोधपुरी, उड़िया कवयित्री शुभाश्री जानकी, डॉ. प्रज्ञा शास्त्री, वरिष्ठ कवि नरसिंह सोलंकी तथा प्रसिद्ध शायर मनशाह ''नायक'' ने सामाजिक सरोकार की रचनाएं सुनाई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वामी चेतनानंद सरस्वती ने की जबकि मुख्य अतिथि नरपत सिंह गहलोत तथा विशेष अथिति एडवोकेट मदन सिंह कच्छवाहा थे।

कार्यक्रम में पूर्व पार्षद श्रीमती ज्योति सोलंकी, आर्य किशन लाल सोलंकी, जयसिंह सोलंकी, कविश कच्छवाहा,सोमेंद्र सिंह कच्छवाहा, जगदीश गहलोत,अरुण सोलंकी, राजेंद्र परिहार, ओमप्रकाश सोलंकी रुद्राक्ष सोलंकी, रामनारायण शास्त्री, घनश्याम सोलंकी, भारती आर्य, श्रीमती सरस्वती आर्य,श्रीमती स्नेहलता गहलोत, रचना सिंह आर्य, हेमा प्रजापत, खुश पारीक आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कवि सम्मेलन का संचालन मनशाह ''नायक'' ने किया जबकि आर्य समाज प्रधान जयसिंह गहलोत ने आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

'मन की बात' का प्रसारण होगा

जालोर, (कासं)। भाजपा प्रदेश नेतृत्व एवं प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड तथा जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित के निर्देशानुसार 28 दिसंबर को प्रातः 11 बजे से 11.30 बजे तक जिले के सभी बूथों, मंडलों एवं शक्ति केंद्रों पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से प्रसारित 'मन की बात' कार्यक्रम के वर्ष 2025 के अंतिम एवं 129 वें एपिसोड का सामूहिक श्रवण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

भाजपा जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएंगे। 'मन की बात' कार्यक्रम राष्ट्र निर्माण, सामाजिक चेतना एवं सकारात्मक सोच की प्रेरणा देता है, जिसे जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजन किया जा रहा है।

सार-समाचार

जैन धर्मावलंबियों का नागरिक अभिनन्दन

पाली, (नि.सं.)। भामाशाह की नगरी सादड़ी में विकास के लिए सदैव तत्पर और पीड़ित मानवता की सेवा में सहयोग प्रदान करने वाले प्रवासी जैन धर्मावलंबियों का छत्तीस कोम ने नागरिक अभिनन्दन किया। साथ ही उनके कई सेवा प्रकल्पों में सहयोग मांगा। कार्यक्रम में ही जैन बंधुओं ने कहा कि वे अपनी कर्मभूमि के किसी भी सेवा के लिए तैयार हैं। सादड़ी में नया साल पर होने वाले 2 दिवसीय प्रवासी जैन महासम्मेलन में शिरकत करने देश भर से प्रवासी सादड़ी में पहुंचे हैं। इसको लेकर पूरे शहर में उत्साह का माहौल हैं। शुक्रवार को आजाद मैदान में विकास में सहयोग देने वाले तमिलनाडु जैन संघ के अध्यक्ष और तमिल मनीला कांठोस के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रकाश जैन इरोड व जैन महासम्मेलन के चेयरमैन ललित करबावाला का सम्मान किया गया। इस दौरान सादड़ी की कई मांगों को उनके समक्ष रखा गया। इरोड ने कहा कि आज तक उनके जीवन में जो भी मिला हैं वो सादड़ी की ही देन हैं। वे अपनी जन्मभूमि की बदौलत ही तमिलनाडु में जाकर अपनी कमाई का कुछ हिस्सा समाजसेवा और सादड़ी के विकास में खर्च कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही वे यहां पर पीड़ित मानवता की सेवा के लिए एक प्रकल्प का निर्माण करवा रहे हैं। इसमें हर पीड़ित परिवार का यथा संभव सहयोग किया जाएगा। करबावाला ने अपनी तरफ से हर सहयोग देने का वचन दिया। इस दौरान भाजपा नेता व सेलो कंपनी के प्रतिनिधि नरेश ओझा, सादड़ी नगरपालिका के नेता प्रतिपक्ष राकेश मेवाड़ा, सुरेश रावल, देवेंद्र जोशी, हिम्मतमल मालवीय, केसाराम चंदेल, दिनेश कुमार, रविभाई छीपा, मंगलाराम चौधरी समेत बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे। संचालन भंवरलाल देवासी ने किया।

गौरव पर्व पर कार्यक्रम आयोजित

जालोर, (कासं)। वीर बाल दिवस के अवसर पर आईटीआई कोलेज जालोर में सिख गुरु गोबिंद सिंह के पुत्रों साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह की स्मृति में गौरव पर्व कार्यक्रम का आयोजन किए गया। वीर बाल दिवस पर साहिबजादों की असाधारण वीरता और बलिदान को याद किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट मुकेश राजपुरोहित ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साहबजादो के बलिदान दिवस को देश भर वीर बाल दिवस के रूप में मनाये जाने की ऐतिहासिक घोषणा 2022 में की थी । गुरु गोबिंद सिंह जी के चारों साहिबजादों की कथा साहस, बलिदान और धर्मनिष्ठा की अमर गाथा है। वीर साहिबजादे जोरावर सिंह और फतेह सिंह को सरहिंद में इस्लाम स्वीकार करने से इनकार करने पर दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया। सरहिंद में उन्हें भय, लालच और यातनाएँ दी गईं, परंतु उनके विश्वास में कोई डगमगाहट नहीं आई। उन्होंने धर्म परिवर्तन को अस्वीकार कर सत्य और आत्मसम्मान को चुना। दीवार में जिंदा चिनवाए जाने का कठोर दंड भी उनके साहस को तोड न सका। उनका बलिदान यह सिखाता है कि सच्चाई और धर्म की रक्षा के लिए उम्र नहीं, बल्कि दृढ संकल्प आवश्यक होता। प्रकोष्ठ जिला संयोजक भूर सिंह देवकी ने बताया कि जब भी जीवन में डर, दबाव या समझौते का बोझ महसूस हो, तो जोरावर सिंह और फतेह सिंह को याद करना। बहुत कम उम्र में उन्होंने वह कर दिखाया, जो बडे-बडे योद्धा भी नहीं कर पाए। उनके सामने शक्ति थी, सत्ता थी, लालच था और मृत्यु का भय भी-फिर भी उन्होंने अपने सिद्धांत नहीं छोडे। इस अवसर पर जिला महामंत्री गजेन्द्र सिंह सिसोदिया, जिला उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम जिला सह संयोजक एडवोकेट मुकेश राजपुरोहित, जिला सोशल मीडिया संयोजक जोगेश सैन कार्यालय मंत्री दीपेन्द्र सिंह,किसान मोर्चा परमवीर सिंह भाटी प्रकोष्ठसंयोजक भूर सिंह देवकी , जिला प्रवक्ता दिनेश महावर, मन की बात प्रमुख सुरेश सोलंकी,युवान सिंह देवल , प्राचार्य उम्मेद सिंह जी एवं महाविद्यालय के छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

डेडानसर ग्रामीण बस स्टैंड पर श्रमदान

जैसलमेर, (नि.सं.)। भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटलबिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य मे सुशासन सप्ताह के अंतर्गत डेडानसर स्थित ग्रामीण बस स्टैंड पर नगरपरिषद द्वारा श्रमदान कार्यक्रम स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। आयुक्त नगरपरिषद लजपालसिँह ने बताया कि इस कार्यक्रम के अवसर पर उपस्थित लोगों को सुशासन एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। रेशूसिंह ने बताया कि आयोजित हुए स्वच्छता कार्यक्रम मे डेडानसर ग्रामीण बस स्टैंण्ड एवं उसके आसपास के स्थलों को चिन्हित कर उन्हें बेहतरीन ढंग से साफ-सुथरा कर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई। साथ ही बस स्टैंण्ड मे कई स्थानों पर उगी बबुल की झाड़ियों को काटा गया एवं सभी उपस्थित को सुशासन एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई। चुनाराम चौधरी, नरेशपालसिंह, मनोजकुमार एंव सुलभ इंटरनेशनल टीम, मनोज मारोठिया, मयंकसिंह, गोपाल एवं बस स्टैंड पर नगरपरिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी एवं सफाई कर्मचारी इत्यादि उपस्थित रहे। जैसलमेर निवासी प्रेमसुख ने बताया कि 2011 में तत्कालीन सभापति अशोक तंवर के कार्यकाल में जिला कलेक्टर गिरिराजसिंह कुशवाह के निर्देशानुसार बनवाये गए विशाल डेडानसर बस स्टेण्ड का उपयोग प्रशासन द्वारा लिया जाये तो देशी विदेशी सेलानियों को बाड़मेर रोड पर पिछले दिनों शुरू किये गए छोटे से स्थान से निजात मिल सकती है जिला कलेक्टर प्रतापसिंह द्वारा उचित कार्यवाही करवा कर शीघ्र डेडानसर बस स्टेण्ड को निजी बसों के लिए अनिवार्य रूप से शुरू करवाना चाहिए।

धोरीमन्ना में घी के 9 नमूने लिए

बाड़मेर,(नि.सं.)। शुद्ध आहार मिलावट के वार अभियान के तहत मिलावट खोरो के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) डॉ संजीव कुमार मित्तल ने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश कुमार जांगिड़ की ओर से धोरीमन्ना में दबिश दी गई। इस दौरान घी शक्ति भोग और घी गोमेत्रि के नमूने लिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेश चन्द्र शर्मा ने तिरसंगडी, थोब एवं पाटोदी में कार्यवाही करते हुए घी मुरली कृष्णा, घी आर एन ए सारस घी डेयरी भोग, घी सुदर्शन, घी बिलोना, घी मुरली भोग, घी संयम, रिफाइन सोयाबीन तेल हिरण और चाय ट्रेक्टर के नमूने लिए। साथ ही 225 तेल और 75 लीटर घी मिलावट होने के संदेह के आधार पर मौक़े पर सीज किया गया। इन नमूनों को खाद्य प्रयोगशाला जोधपुर भिजवाया गया हैं। नमूनो की जांच रिपोर्ट आने के बाद न्यायिक कार्रवाई संपादित की जाएगी। खाद्य सुरक्षा टीम की ओर से दुकानों और गोदाम को खुलवाकर चेक किया जाकर कार्यवाही की जा रही है। सीएम्एचओ डॉ संजीव मित्तल ने आमजन से आहवान किया है कि नकली और मिलावटी घी बेचने वाले मिलावटखोरो के खिलाफ जिला कलक्टर बाड़मेर अथवा अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) बाड़मेर को सुचना दे, ताकि मिलवाटखोरो के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जा सके। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गुप्त रखा जाएगा। शुद्ध आहार मिलावट वार अभियान के तहत मिलावटखोरो के खिलाफ कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

वाजपेयी जयंती व वीर बाल दिवस मनाया

जालोर, (कासं)। आदर्श विद्या मंदिर, सूरजपोल जालौर में भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर रंगोली उत्सव का आयोजन किया गया। इसी के साथ विद्यालय परिसर में वीर बाल दिवस भी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अटलजी के राष्ट्र निर्माण में योगदान को स्मरण करना तथा वीर बालकों के अदम्य साहस, बलिदान और देशभक्ति से विद्यार्थियों को प्रेरित करना रहा। रंगोली से विद्यार्थियों ने देशभक्ति, संस्कार और वीरता की भावना को सुंदर रूप में प्रस्तुत किया। इस अवसर पर वक्ता के रूप में भारतीय जनता पार्टी जिला महामंत्री गजेंद्र सिंह सिसोदिया, जिला उपाध्यक्ष मुकेश राजपुरोहित, जिला मंत्री गीता बारोट, जिला संयोजक 'मन की बात' सुरेश सोलंकी, जिला मीडिया प्रभारी अंबालाल व्यास, बचपन नगर अध्यक्ष रवि सोलंकी, संत मुन्ना महाराज सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आदर्श विद्या मंदिर सेवा समिति के अधिकारीगण, विद्यालय स्टाफ, सेवा प्रमुख दीदी, अभिभावकगण एवं बडी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने अपने संबोधन में अटल जी के विचारों, सुशासन, राष्ट्र प्रेम और वीर बालकों के बलिदान पर प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आहवान किया। कार्यक्रम का सफल आयोजन विद्यालय परिवार एवं सेवा समिति के सहयोग से संपन्न हुआ।

ट्रेलर की चपेट से बाइक चालक की मौत

जोधपुर, (कासं) । किसी वाहन की चपेट में आने से एक बाईक चालक की मौत हो गई। डांगियावास थाने में दी रिपोर्ट में कापरड़ा थानान्तर्गत चांदेलाव निवासी कैलाश दास पुत्र नारायणदास वैष्णव ने पुलिस को बताया कि 25 दिसंबर को उसका पुत्र बाईक पर जा रहा था। इसी दौरान जालेली फौजदार के पास एक ट्रेलर के चालक ने गाड़ी को तेज व लापरवाही से चलाकर रांग साईड में आकर उसके पुत्र को टक्कर मारकर उछाल दिया। गंभीर रूप से घायल उसके पुत्र मौत हो गई।

भूमि का अन्य स्तोत्र में उपयोग, दानदाता सहित लोगों में रोष

गुड़ामालानी, (निसं)। मुख्यालय के एक दानदाता द्वारा बस स्टैंड के लिए दी गई अपनी निजी भुमि पर बने बस स्टैंड भवन व यात्रियों के बैठने की जगह पर एवं शोचालय के पास ही हाल ही में नगर पालिका द्वारा अन्नपूर्णा रसोई प्रस्तावित करने पर भूमिदाता परिवार सहित बड़ी संख्या में स्थानीय पार्षदों, नागरिकों ने विरोध जताया। गुडामालानी एसडीएम केशव मीणा को ज्ञापन सौंपा एवं उक्त निर्माण से महिला यात्रियों व लोगों की समस्याएं बताते हुए इसे रोककर अन्नपूर्णा रसोई अन्य जगह स्थानांतरित करने की मांग की है।

गौरतलब है कि पुर्व में गुडामालानी के जागीरदार पुर्व जिला प्रमुख राणा भवानी सिंह राठौड ने अपने पिता राणा प्रताप सिंह राठौड की याद में रोडवेज बस स्टैंड के लिए वर्ष 1980 में अपनी निजी भुमि में से बस स्टैंड व केवल यात्रियों की सुविधा हेतू भूमि दान कर बस स्टैंड भवन व का निर्माण करवा कर दिया था, लेकिन हाल ही में उक्त भुमि पर बने बस स्टैंड भवन में संचालित सुलभ काम्प्लेक्स शोचालय के पास ही परिसर में नगर पालिका द्वारा अन्नपूर्णा रसोई प्रस्तावित करते हुए निर्माण शुरू करने की तैयारी की। उक्त प्रतिकूल जगह प्रस्तावित अन्नपूर्णा रसोई को लेकर भूमि दानदाता सहित बडी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि व नागरिको ने भारी विरोध जताया।

उन्होंने एसडीएम को सौंपे ज्ञापन में बताया कि पूर्व में अन्नपूर्णा रसोई मेला मैदान में ठीक जगह चल रही थी। मगर यहां नगर पालिका द्वारा बस स्टैंड भवन में यात्रियों के बैठने की जगह एवं शौचालय के पास गंदगी में अन्नपूर्णा रसोई बना रही है। जहां इसके निर्माण से एक तरफ पुरे दिन शोचालय की बंदबू आती हैं। और गंदगी से पूरे दिन वातावरण खराब रहने से कोई खाना नही खा सकता है। वही यहा अन्नपूर्णा इंदिरा रसोई बनने से यात्रियों के बैठने की जगह भी नहीं रहेगी । खासकर महिला यात्रियों को भारी परेशानी होगी। क्योंकि कि यहां कम पैसों में खाना मिलने से परिसर में सारे दिन शराबियों व स्मैकियों का आना जाना रहेगा । दूसरी तरफ इसके निर्माण में पास में पडी चौराहे व रास्ते की भुमि को उपयोग में लेने से कम जगह होने से बस स्टैंड भवन के पास में आवागमन का मुख्य मार्ग भी बाधित होने से आस पास के दुकानदारों व 150 परिवारों का आवागमन बांधित हो जायेगा। उन्होंने ज्ञापन में बताया कि नगरपालिका के द्वारा यहा बस स्टैंड भवन में व यात्रियों की बैठने की जगह पर अन्नपूर्णा रसोईघर बनाने से जिस उद्देश्य से भुमिदान की गई थी, उन भूमि का अन्य स्तोत्र में उपयोग से भामाशाह व भूमि दानदाता परिवार का भी मोह भंग हो रहा है।

ज्ञापन के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राणा सुरेन्द्र सिंह राठौड, पंचायत समिति सदस्य कांतिलाल सोनी, पार्षद पीराराम सिधप,नरपत मेघवाल, चुन्नीलाल भार्गव, कैलाश भार्गव, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष शंकरलाल सुदेशा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों व जनप्रतिनिधियों ने गुडामालानी एसडीएम को विरोध दर्ज करवाते हुए ज्ञापन सौंप सभी समस्याओं बताते हुए उक्त बस स्टैंड भवन व शोचालय के पास अन्नपूर्णा रसोईघर नहीं बनाकर दुसरी जगह बनाने की मांग की है । अन्यथा आंदोलन की चेतावनी दी है।

युवक-युवती परिचय व प्रतिभावान विद्यार्थी सम्मान सम्मेलन शुरू

जालोर, (कासं)। समस्त प्रजापति वेलफेयर संस्थान जालोर के तत्वावधान में त्रि जिलास्तरीय जालोर सिरोही पाली का प्रतिभा सम्मान समारोह और युवक युवती परिचय सम्मेलन 27 व 28 दिसंबर को भीनमाल के निजी रिसॉर्ट में शुरु हुआ

संस्थान के उपाध्यक्ष महेन्द्र कुमार राठौड जालोर ने बताया कि कार्यक्रम में कुम्हार, प्रजापत, पुरबिया, बांडा, कुंभकार समाज के लोग भाग लेंगे। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान सरकार में केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत उपस्थित रहेंगे वहीं पावन सानिध्य गुरुदेव गोविंद वल्लभदास महाराज श्रीपतिधाम नंदनवन सिरोही का रहेगा विशेष अतिथि के रूप में ईश्वरलाल प्रजापति , पुखराज प्रजापत भागलभीम , प्रहलाद प्रजापति भापडी , चेलाराम लियादरा , मफतलाल प्रजापति सांचौर, किशनलाल प्रजापत किशनगढ रहे। कार्यक्रम के दौरान समारोह के भामाशाहों का विधिवत बहुमान किया गया। साथ ही शिक्षा, खेल, कला, सामाजिक सेवा एवं विभिन्न अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाली लगभग 500 प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही आगामी वर्ष 2026 का सिलेंडर का भी विमोचन कर बांटा गया ।

कार्यक्रम में राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र एवं दक्षिण भारत सहित हजारों की संख्या में समाजबंधु भाग ले रहे है।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में शिक्षा, प्रतिभा, सामाजिक एकता एवं सकारात्मक चेतना को प्रोत्साहित करना है।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संस्थान के संयोजक ललित मेडतिया अध्यक्ष कैलाश मंडोरा भाटूंद , कोषाध्यक्ष प्रकाश जालोरा शिवगंज , सचिव रमेश मुलेवा शिवगंज , दिनेश ओसवाल जालोर सहित समाज बंधु विक्रम प्रजापत भीनमाल, सोमाराम प्रजापत रामसीन, राजू सोलंकी भागल भीम, चेतन प्रजापत रानीवाडा, दूदाराम प्रजापत नून, छगन प्रजापत बागोडा, सुरेश प्रजापत जसवंतपुरा, दीपाराम प्रजापत भूतेल, रमेश प्रजापत सांचोर, प्रहलाद प्रजापति भापडी, पिंटू प्रशांत भीनमाल अपना योगदान दे रहे है।

राजपुरोहित क्रिकेट प्रति. के क्वार्टर फाइनल मैच हुए

जोधपुर, (कासं) । राजपुरोहित क्रिकेट प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल मैच में केसीसी जोधपुर, वीसीसी पुनायता पाली , जेबींएन स्पोर्ट्स तोलियासर बीकानेर की टीमों ने जीते मैच, सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

श्री खेतेश्वर क्रिकेट क्लब के जितेन्द्रसिंह भेंसर कोटवाली एवं सुरजीतसिंह धांगड़वास ने बताया कि वीरू क्रिकेट ठाउंड में शुक्रवार को राजपुरोहित क्रिकेट टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले गए। मैच के दौरान मुख्यअतिथि पचपदरा विधानसभा के प्रत्याशी एवं युवा नेता थानसिंह डोली थे जिन्होंने खिलाडिय़ों का उत्साहवर्धन किया। शुक्रवार को हुए मुकाबलों में जीत हासिल करने वाली टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश कर गई हैं।

केसीसी जोधपुर ने राजपुरोहित रॉयल्स कुड़ी के विरुद पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 174 रन बनाए जिसमे केसीसी जोधपुर के भेरू सिंह तोलियासर ने 23 गेंद पर 41 रन की तूफानी पारी खेली, शुभम चावण्डा ने 56 रन की अर्धशतकीय पारी खेली और हितेश बालोत्तरा ने 44 रन बनाये और 11 रन देकर महत्वपूर्ण तीन विकेट लिए उनकी बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। राजपुरोहित रॉयल्स कुड़ी लक्ष्य का पीछा करते हुए 76 रन बना सकी और कुड़ी के कप्तान सौरभ सिंह ने 29 रन बनाये और 2 विकेट लिए। दूसरे क्वाटर फाइनल मैच केसीसी जोधपुर ने 98 रन से जीत लिया !

तीसरे क्वाटर फाइनल मैच मुकाबला वीसीसी पुनायता और परालिया 11 के बीच खेला गया। परालिया 11 ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया वीसीसी पुनायता पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवरों में तीन विकेट खोकर 243 रनों का विशाल स्कोर बनाया। वीसीसी पुनायता की ओर से भरत पुरोहित ने 56 गेंदों पर 122 रनों की नॉट आउट आक्रामक शतकीय पारी खेली इसके लिये उन्हें मैन ऑफ़ द मैच चुना गया।

रघुवीर राजपुरोहित ने भी 73 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। जवाब में परालिया 11 की टीम 118 रन ही बना सकी। गौरव परालिया ने 34 बॉल पर 56 रनों की पारी खेली।

इस जीत के साथ वीसीसी पुनायता ने भी सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

चौथा क्वाटरफाइनल जेबीएन तोलियासर और एसीसी पुनायता के बीच खेला गया, जिसमें तोलीयासर क्लब ने अंतिम क्षणों में बाजी मारते हुए जीत दर्ज की। मैच की शुरुआत जेबीएन स्पोर्ट्स क्लब ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में एक चुनौतीपूर्ण 167 रन का लक्ष्य खड़ा किया। जिसमें हरि सिंह बड़ला ने 4 छक्के 3 चौकों की मदद से 52 बॉल में 67 रन ओर शक्ति सिंह तोलियासर ने 1 छक्के और 7 चोकों की मदद से 23 बॉल में 39 रन बनाए लक्ष्य का पीछा करते हुए 150 रन बनाए जिसमें सुरेंद्र और गजेंद्र ने 41-41 रनों की पारी खेली।

अनुराधा आडवाणी का स्वागत किया

जोधपुर,(का.सं.)। कमल कला मन्दिर, जोधपुर द्वारा बहुप्रतिभा की धनी अनुराधा आडवाणी का भावभीना स्वागत किया गया।

संस्थान के अध्यक्ष तथा विश्व प्रसिद्ध लोक गायक कलाकार कालूराम प्रजापति ने राजस्थानी गीतों की पुस्तक अनुराधा अडवाणी को भेंट कर अभिनंदन किया। हाल ही में 22 दिसंबर को सोनी टीवी पर प्रसारित होने वाले सिरियल कौन बनेगा करोड़पति में स्पेशल गेस्ट के रूप मे अपनी उपस्थिति देकर जोधपुर का मान बढ़ाया था। जोधपुर के अनुबंध वृद्धाश्रम की संचालिका अनुराधा आडवानी 22 दिसम्बर को कौन बनेगा करोडपति में स्पेशल गेस्ट के रूप में मौजूद थी। बुजुर्गों के लिए अनुबंध वृद्धजन कुटीर चला रहीं अनुराधा आडवाणी सोमवार को कौन बनेगा करोड़पति में दिखाई दी तो जोधपुर में कार्यक्रम देख रहे हजारों दर्शकों ने करतल ध्वनि से उनका स्वागत किया। इस दौरान अनुबंध में चल रहे सेवा कार्यों की विडियो भी दिखाई गई। जिसे दर्शकों के साथ अमिताभ बच्चन ने भी सराहा। अमिताभ ने उनसे इस बारे में कई सवाल भी किए। अनुराधा अडवाणी ने बताया कि कुछ महीनों पहले केबीसी से समाजसेवा कर रहे लोगों से 50-50 शब्दों में खुद के बारे में लिखकर मंगवाया था तो मेरी टीम ने भेज दिया था।

स्वधर्म का पालन ही हमारा लक्ष्य हो : देलदरी

पाली, (नि.सं.)। हमारा स्वधर्म क्षात्र धर्म है जिसमें सभी के सभी धर्म समाहित है क्योंकि संसार की रक्षा का भार क्षत्रिय का है, इसकी आवश्यकता हमेशा रहेगी।तो हमारे उद्देश्य दो प्रकार के है। सापेक्ष जो देश-काल परिस्थितियों में बदलता रहता है परन्तु दुसरा उद्देश्य निरपेक्ष है जो शाश्वत है निश्चित है अनादि से है जिसका महत्व आज भी उतना ही है। जितना पहले था आज भी संसार को क्षात्र धर्म की आवश्यकता है यह बात क्षत्रिय युवक के माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर में उन्होंने उद्देश्य के बौद्धिक देते हुए रणबांकुरे एकेडमी पाली में शिविर संचालक अर्जुनसिंह देलदरी ने कही।

उन्होंने कहा कि हम संसार के सारे व्यापार करें। परन्तु सतोगुणीय भाव से करें अपने आप को पहचानने की कोशिश करें। हम उन्हीं राम की सन्तान है जिन्होंने पिता आज्ञापालन से मर्यादा पुरुषोत्तम राम बन गये । इसी रास्ते को तनसिंह ने अपनाया और श्री क्षत्रिय युवक संघ बनाकर स्वयं इस मार्ग पर चलकर हजारों लागो को तैयार किया । जो जरुरत पड़ने पर घर ,परिवार, देश राष्ट्र ही नहीं प्राणी मात्र के के काम आये। ऐसी शक्ति अर्जित करने का मार्ग का नाम ही श्री क्षत्रिय युवक संघ है। रणबांकुरे एकेडमी के झुंझारसिह देणोक ने बताया कि यह शिविर 25 को शुरू हुआ जो 31/12तक चलेगा जिसमें कठोर दिनचर्या सवेरे 5 बजे शंखनाद के साथ जागरण होता है। फिर योगासन, प्रार्थना, अल्पाहार, खेल, चर्चा, अर्थबोध, बौद्धिकों द्वारा गीता आधारित त्याग, बलिदान, वैराग्य,का अभ्यास करवाया जा रहा है। इस काम में ईश्वर सिंह देसु, जयसिंह सागु, विक्रम सिंह खारी ,पृथ्वीराज धीगाणा , गजेन्द्र सिंह बगड़ी नगर, मुकेशसिंह भोजावास, परबत सिंह वेलार मनोहर सिंह निम्बली उडा, दिग्विजय कोलीवाड़ा ओमसिंह खारिया सोढा, सहित पाली संभाग के करीब 100 स्वयंसेवक और जालोर के 35 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं।

सिलावट समाज की कोचिंग शुरू

जालोर, (कासं)। ऑल राजस्थान मुस्लिम सिलावट वेलफेयर संस्थान जालौर की ओर से सिलावट समाज मदरसा किले की घाटी जालौर में कक्षा नवी से 12वीं तक समाज के विद्यार्थियों के लिए निशुल्क कोचिंग क्लासेज का शुभारंभ किया गया।

संस्थान के जिलाध्यक्ष सीनियर नर्सिंग ऑफिसर शहजाद खान ने बताया कि सिलावट समाज शिक्षा के क्षेत्र में पिछडा होने से उन्हें शिक्षित करने के उद्देश्य से एवं समाज में शिक्षा को बढावा देने को लेकर निशुल्क कोचिंग क्लासेज का शुभारंभ सेवानिवृत्ति जिला शिक्षा अधिकारी हनीफ खान, सरवरी टूर एंड ट्रेवल्स के मौलाना गुलाम अली, सिलावट समाज पेश इमाम सलीम मुस्तफाई, प्रधानाचार्य फिरोज खान और साइन पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर अल्ताफ अली के आतिथ्य में हुआ। पूर्व डीईओ हनीफ खान ने कहा कि सिलावट समाज की संस्थान द्वारा विद्यार्थियों के लिए निशुल्क कोचिंग क्लासेज शुरू करना एक सराहनीय पहल है।

मौलाना गुलाम अली ने दीनी व दुनियावी तालीम के बारे में जानकारी दी। 10 वी, 12वी में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले टॉपर को निशुल्क उमराह यात्रा की घोषणा की गई। वहीं सेवानिवृत व्याख्याता आबाद अली ने बच्चों को पूरी लगन से पढाई कर आगे बढने की नसीहत दी । इस अवसर पर समाज के शिक्षाविद आबाद अली, शाकिर अली , मोहम्मद रफीक शेख ,मोहसिन अली, एजाज अली और यासर अराफात का भी संस्थान की ओर से स्वागत किया गया। 15 बार रक्तदान करने वाले सिलावट समाज के जानशेर खान एवं वरिष्ठ पत्रकार साबिर सागर का भी स्वागत किया गया।

इस दौरान उपाध्यक्ष मुस्ताक खान, सचिव इमरान खान ,कोषाध्यक्ष लियाकत अली, सलाहकार सिराजुद्दीन खान, एडवोकेट सलीम जावेद, इरफान खान,जाकिर खान, रुबाब खान, शाहनवाज खान मोहम्मद खान, गफ्फार खान,कासम खान ,सलीम खान, अब्दुल मुनाफ आसिफ खान, शहजाद एस के, सादिक मोहम्मद, जलाल खान, इकबाल खान इस्माइल खान, सद्दाम खान शाकिर अली, मुकद्दर खान मजीद खान, समीर खान आदि समाज बंधु उपस्थित थे।

अरावली के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं का पैदल मार्च

पाली, (नि.सं.)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आदेशानुसार पाली जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निम्बाडा ने कांग्रेस भवन में बैठक ली। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कि अरावली बचाओ जीवन बचाओ यह सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए चेतावनी और जिम्मेदारी है। अरावली पर्वतमाला भूजल को रिचार्ज करती है। रेगिस्तान के फैलाव को रोकती है। जैव विविधता और वन्यजीवों का संरक्षण करती है। प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव कम करती है। अरावली का विनाश जल संकट, बढ़ता तापमान, बाढ़-सूखा, और असंतुलित पर्यावरण उत्पन्न करेगा। संकल्प लें अवैध खनन नहीं होने दें व पौधारोपण बढ़ाएं। प्राकृतिक पहाड़ियों और वनों की रक्षा करें। पर्यावरण के लिए आवाज़ उठाएं। अरावली बचेगी तभी जीवन बचेगा।

प्रदेश महासचिव भूराराम सिरवी एवं ब्लॉक अध्यक्ष हकीम भाई ने कहा कि मनरेगा को निरस्त करने हेतु भाजपा सरकार विधेयक पेश करना चाहती है भाजपा की नीतियों को सफल नहीं होने देंगे। सभा को ऐश्वर्या सांखला, जब्बर सिंह, नाहर सिंह जाखोड़ा, गोरधन देवासी, यशपाल सिंह शिवतलाव, गोविंद बंजारा आदि ने संबोधित किया व संचालन अरुण जोशी ने किया।

जिला प्रवक्ता रफीक चौहान ने बताया कि अरावली पर्वतमाला के खनन के विरोध में पाली जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निम्बाडा के नेतृत्व में जन-जागरण रैली आज 27 दिसंबर को प्रात: कांग्रेस भवन से पैदल मार्च करते हुए जिला कलेक्ट्रेट से होते हुए रैली के रुप में कांग्रेसजन हाथों में तख्तियां व तिरंगे झंडे लेकर अरावली के सम्मान में कांग्रेस मैदान में नारेबाजी करते हुए गांधी मूर्ति सर्किल पहुंचे। गांधीजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नरेगा महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना के नाम व नियमों में परिवर्तन कर जनता को रोजगार गारंटी से वंचित करने के विरोध में धरना दे कर रघुपति राघव राजा राम के भजन गाते हुए विरोध जता कर कार्यक्रम का समापन किया।

इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निम्बाडा, पीसीसी महासचिव भुराराम सीरवी, वरिष्ठ नेता, पुर्व सभापति प्रदीप हिंगड, पाली शहर ब्लॉक अध्यक्ष हकीम भाई, वरिष्ठ नेता जब्बर सिंह, बाली प्रभारी देवीसिंह सिसोदिया, रोहट ब्लॉक अध्यक्ष पीराराम पटेल, बाली ब्लॉक अध्यक्ष यशपाल सिंह राजपुरोहित, देसूरी ब्लॉक अध्यक्ष राकेश चौहान, पुर्व ब्लॉक अध्यक्ष हाजी मेहबूब टी, करण सिंह चानोद, संगठन महासचिव भंवर राव, सुमेरपुर नगर अध्यक्ष सुभाष मेवाडा, जीवराज बोराणा, मंगलाराम भिण्डर, जोगाराम सोलंकी, अरूण जोशी, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष गोवर्धन देवासी, सेवादल जिलाध्यक्ष प्रकाश चौधरी, महिला जिलाध्यक्ष ऐश्वर्या सांखला, रतन उद्देश, सज्जन बी, राज, प्रकाश सांखला, रंगराज मेहता, जीवराज चौहान, मांगूसिंह दुदावत, जिला प्रवक्ता रफीक चौहान, एससी जिलाध्यक्ष सुनिल बैरवा, यशपाल सिंह कूम्पावत, ओबीसी जिलाध्यक्ष गोविंद बंजारा, अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष जावेद सिरोहा, रमेश चावला, आमीन अली रंगरेज, चन्द्रकान्त मारू, कृष्णा सांसी, अभाव अभियोग प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष अशोक कूलदीप, मण्डल अध्यक्ष राजू बंजारा, राकेश मेवाड़ा, ताराचंद टांक, ताराचंद चंदनानी, असगर कूरैशी, राजेंद्र घावरी, भेराराम गुर्जर, नाहरसिंह जाखोड़ा, ललित परिहार, शरीफ खान देसूरी, राजेंद्र मेघवाल, मोहन सिंह हेमावास, मदन चंदेल, रमेश चौधरी, सत्यप्रकाश पटेल, अनिल सिंह निंबाड़ा, राजुसिंह सोनाई, मनोहर सिंह जवाली, पुष्पराज सोनी, महेश परिहार, दिनेश दवे, गोरधन प्रजापत, निर्मल तेजी, जुगराज चौहान, लक्ष्मण कच्छवाह, प्रकाश चौहान, जयसिंह रानीगांव, सोहन सिंह राजपुरोहित, नैनाराम बंजारा, प्रमोद बोराणा, इंसाफ मोयल, खुभसिंह खत्री, फारुख रंगीला, चन्द्रपाल सिंह पुनायता, लाल मोहम्मद सिन्धी, बरकत अली, जफर सिलावट, इकबाल शेख, गीता प्रजापति, महावीर कटारिया, बेबी तख्तगढ, इरफान पठान, रमजान खां, फिरोज खान, कमरूद्दीन पठान, संतोक सिंह सोलंकी, शहाबुद्दीन बागवान, गोविंद सिंह राठौड़, शंकर लाल माली, माणक गर्ग, हरिराम मेघवाल, हितेश मेवाडा, हेमंत देवासी, पीसी गहलोत, भुराराम देवासी, गौतम कच्छवाह, गुलाब सोढा, बाबू लाल कीर, धनराज आर्य, गुडिया परमार, पुरण बावरी, डायाराम मीणा, अनिल भाटी, विक्रम भाटी, जुगराज चौहान, चांद अली रंगरेज, असलम खान, बाबुलाल बोराणा, हसन भाटी, जयेश मेवाडा, रशीदा बानो, सरस्वती, दिनेश पंवार, राजूपाल, अनवर खां सिपाही सहित कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद् का अधिवेशन शुरू

बालोतरा, (निसं)। अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद् का 17वां तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन बालोतरा नाकोडा स्थित लालबाग परिसर में शुक्रवार को भव्य रूप से प्रारंभ हुआ। अधिवेशन में देश के सभी राज्यों से बड़ी संख्या में अधिवक्ता भाग ले रहे हैं।

कार्यक्रम में उच्चतम न्यायालय एवं विभिन्न उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश, भारत सरकार के वरिष्ठ विधि अधिकारी तथा कानून जगत की प्रतिष्ठित हस्तियां उपस्थित रहीं। अधिवेशन का उद्घाटन सत्र शुक्रवार को दोपहर 2.30 बजे माँ भारती, अधिवक्ता परिषद के संस्थापक दत्तोपंत ठेंगडी एवं संविधान निर्माता डॉ बी आर आंबेडकर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। उद्घाटन सत्र का केंद्रीय विषय भारतीय संविधान के 75 वर्ष = सामाजिक समरसता रखा गया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए माननीय न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई, न्यायाधीश, उच्चतम न्यायालय ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि भारत का लोकतंत्र तब तक सफल नहीं हो सकता, जब तक उसमें लिबर्टी, इक्वालिटी और फ्रैटरनिटी-तीनों एक साथ मौजूद न हों। उन्होंने कहा कि अंबेडकर के विचारों को आत्मसात करते हुए हम सभी को सामाजिक समरसता के लिए निरंतर प्रयास करने की आवश्यकता है।

न्यायमूर्ति बिश्नोई ने जाति एवं भाषा के आधार पर राष्ट्र की अवधारणा को घातक बताते हुए कहा कि यह विचार कि राजस्थान में केवल राजस्थानी, महाराष्ट्र में केवल मराठी या केरल में केवल मलयाली ही रह सकता है, पूर्णतः गलत है। ऐसी कई साझा समस्याएं हैं, जिनके समाधान के लिए अधिवक्ताओं को सजग रहना चाहिए।

कार्यक्रम में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि बालोतरा की धरती भक्ति की भी है और शक्ति की भी। उन्होंने कवि की पंक्तिया सुनाते हुए राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अब तक 1562 अप्रासंगिक कानूनों को समाप्त कर चुकी है, जिनकी वर्तमान में कोई आवश्यकता नहीं थी, तथा हाल ही में 71 और अनुपयोगी कानूनों को भी समाप्त किया गया है।

उन्होंने वकीलों को आश्वस्त किया कि शीघ्र ही देश में वकीलों के लिए मेडिकल पॉलिसी लाने पर सरकार विचार कर रही है। उन्होंने कहा की ऐडवोकेट्स प्रोटेक्शन एक्ट भी लॉ कमीशन के पास विचाराधीन है, उसे शीघ्र पारित कराने के प्रयास किए जाएंगे। इस अवसर पर राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति पुष्पेंद्र सिंह भाटी ने कहा कि भारत विविधताओं का देश है। केवल राजस्थान को ही देखें तो यहां हर 2० किलोमीटर पर पगडी और वेशभूषा बदल जाती है। ऐसे में संविधान निर्माताओं के सामने कितनी बडी चुनौतियां रही होंगी, इसका अनुमान लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता के लिए अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद का मंच अत्यंत महत्वपूर्ण है और अधिवक्ताओं को संविधान का प्रहरी एवं सिपाही बताया। भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अधिवक्ता परिषद का सम्मेलन शहीदी दिवस के दिन आयोजित किया जाना अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता केवल भाषणों से नहीं आएगी, बल्कि इसके लिए धरातल पर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि यदि हम संवैधानिक अधिकारों के अंतर्गत न्यायालयों से राहत चाहते हैं, तो हमें अपने संवैधानिक कर्तव्यों का भी ईमानदारी से पालन करना होगा।

कार्यक्रम में परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता के. श्रीनिवास मूर्ति ने अध्यक्षीय संबोधन दिया। परिषद् की गतिविधियों पर महासचिव एवं सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता डी. भरत कुमार ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। जोनल सेक्रेटरी कमल परसवाल, प्रांत सचिव श्याम पालीवाल और स्वागत समिति की ओर से प्रसिद्ध उद्योगपति रमेश मुथा ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में राज्य के महाधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद, अधिवक्ता परिषद् के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मीरा ताई, प्रांत अध्यक्ष सुनील जोशी, सुश्री लवी लोथा (अधिवक्ता, नागालैंड) एवं प्रांत सचिव पूनम शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता परिषद जोधपुर हाईकोर्ट इकाई के महामंत्री देवकीनंदन व्यास एवं अधिवक्ता प्रतिष्ठा सिंहा ने किया। अंत में प्रांत अध्यक्ष सुनील जोशी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

बाड़मेर, (नि.सं.)। राराविप्र निगम बाड़मेर के अधिशाषी अभियंता ने बताया कि शनिवार, 29 जून को 400 केवी जीएसएस राराविं प्रसारण निगम बाड़मेर पर 132/33 केवी 10/12.5 एमवीए ट्रांसफार्मर के रखरखाव कार्य हेतु शटडाउन रहने के कारण 400 केवी जीएसएस बाड़मेर से निकलने वाले समस्त 33 केवी आउटगोइंग फीडर्स यथा एनपीएच, जोगेश्वर कुआ व जालिपा फीडर्स की सप्लाई प्रातः 7 बजे से 11 बजे तक बंद रहेगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत रायपुरिया, पं.स. जालोर जिला जालोर

क्रमांक- ग्रा.प./2025-26/175 दिनांक-23.12.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 07/2025-26

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत रायपुरिया पंचायत समिति जालोर के अधीनस्थ ग्रामों में वित्तिय वर्ष 2025-26 शेष अवधि में घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, गांवों की सड़क एवं नाली सफाई कार्य तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई कार्य की सेवाओं हेतु इच्छुक जी.एस.टी. पंजीकृत निविदादाताओं/फर्मो से निविदाऍ आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म/शर्ते ऑनलाईन वेब साईट http:/sppp.rajasthan.gov.in व https://eproc.rajasthan.gov.in तथा ग्राम पंचायत नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है।

NIB NO. : ZJR2526A0656, UBN NO. ZJR2526SSOB01070

(कैलाश चन्द्र मीना)

प्रशासक ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत रायपुरिया ग्राम पंचायत रायपुरिया
पं.स. जालोर पं.स. जालोर

खेल जगत

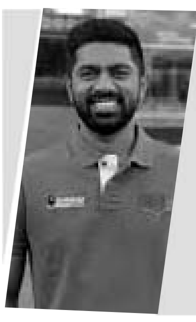

पंजाब किंग्स को ऑक्शन में ज़्यादा कुछ करने की जरूरत नहीं थी, क्योंकि उन्होंने पहले ही काफ़ी इन्वेस्ट कर दिया था। इसलिए यह साफ नहीं है कि उनके पास उनके लिए पर्याप्त बैकअप है या नहीं। - अभिनव मुकुंद

भारतीय क्रिकेटर, युजवेंद्र चहल को लेकर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

जो रूट

रूट ने फॉक्स क्रिकेट को एक साइडलाइन इंटरव्यू में कहा, ज़ाहिर है, सीरीज हारना हमेशा बहुत निराशाजनक होता है, लेकिन मुझे लगता है कि यह बहुत जरूरी था कि हमने बाकी सीरीज के लिए बहुत ज़्यादा हिम्मत दिखाई।'' रूट ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड के 18 टेस्ट में से 17 में खेले थे। ''इस टीम पर बहुत कुछ फेंका गया है और जिस तरह से हमने इन दो दिनों में जवाब दिया है, वह शानदार रहा है। साफ तौर पर यह एक बहुत तेज टेस्ट मैच था, जिस पिच पर हमें खेलने का मौका मिला, लेकिन मुझे लगता है कि हमने जितना हो सका, उसके हिसाब से खुद को ढाला और जब भी मौका मिला।

क्या आप जानते हैं ?... इंग्लैंड ने एशेज 2025-26 के चौथे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हराकर 15 साल बाद ऑस्ट्रेलियाई धरती पर ऐतिहासिक टेस्ट जीत दर्ज की।

टी-20 वर्ल्ड कप से पहले ऑस्ट्रेलिया को टिम डेविड की चोट की चिंता, कमिंस को पूरी तरह ठीक होने का भरोसा

पर्थ, 27 दिसंबर। टी20 वर्ल्ड कप 2026 शुरू होने में सिर्फ़ एक महीने से ज़्यादा का समय बचा है, ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम को एक चोट की चिंता सता रही है, क्योंकि पावर-हिटर टिम डेविड को शुक्रवार को बिग बैश लीग 2025-26 के एक मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया।

29 साल के टिम डेविड को यह चोट पर्थ स्टेडियम में पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ होबार्ट हरिकेंस के लिए बल्लेबाजी करते समय लगी। डेविड को प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाली 28 गेंदों पर 42 रन बनाने के बाद चोट के कारण रिटायर होना पड़ा, जिससे हरिकेंस ने 151 रनों का पीछा करते हुए चार विकेट से जीत हासिल की।

6'5 की लंबी कद-काठी वाले डेविड 300 से ज़्यादा टी20 मैचों के अनुभवी खिलाड़ी हैं और ऑस्ट्रेलिया के मिडिल ऑर्डर के अहम खिलाड़ी हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 47 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें 32.43 की औसत और 175.04 के स्ट्राइक रेट से 1038 रन बनाए हैं।

यह ताजा झटका डेविड की इस साल दूसरी हैमस्ट्रिंग चोट है। इससे पहले उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान भी चोट लगी थी, जिसके कारण वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के टाइटल जीतने के सफर से बाहर हो गए थे। उस चोट की वजह से वह लगभग दो महीने तक मैदान से बाहर रहे थे।

ऑस्ट्रेलिया वनडे और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस की फिटनेस पर भी नजर रख रहा है, जो 7 फरवरी को भारत और श्रीलंका में शुरू होने वाले आगामी टी20 वर्ल्ड कप से पहले पूरी तरह से ठीक होने की कोशिश कर रहे हैं। 32 साल के कमिंस जून-जुलाई में वेस्टइंडीज दौरे के दौरान लगी पीठ के निचले हिस्से की चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ चल रही एशेज सीरीज के पहले दो टेस्ट मैच नहीं खेल पाए थे।

कमिंस तीसरे टेस्ट में लौटे और छह विकेट लिए, लेकिन एहतियात के तौर पर उन्हें अगले दो मैचों में आराम दिया गया है। कमिंस ने शुक्रवार को चैनल 7 को एक इंटरव्यू में बताया, ''कुछ हफ़्ते पहले तक, मैं अभी भी पीठ की चोट से उबर रहा था, इसलिए लगातार टेस्ट मैच खेलना काफी जोखिम भरा था।अब 20 वर्ल्ड कप के लिए थोड़ा आराम करेंगे।''

ऑस्ट्रेलिया अपना टी20 वर्ल्ड कप अभियान 11 फरवरी को कोलंबो, श्रीलंका में आयरलैंड के खिलाफ शुरू करेगा। जहां कमिंस टेस्ट और वनडे में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करते हैं, वहीं मिच मार्श टी20 में टीम की कप्तानी करते हैं। कमिंस ने 57 टी20 खेले हैं, जिसमें गेंदबाज़ी में उनका औसत 23.57 है और इकॉनमी रेट 7.44 है। पहली बार 2007 में आयोजित हुआ टी20 वर्ल्ड कप हर दो साल में होता है। ऑस्ट्रेलिया ने 2021 में अपना एकमात्र खिताब जीता था, जिसमें फाइनल में न्यूजीलैंड को आठ विकेट से हराया था।

सफेद गेंद क्रिकेट में वापसी की तैयारी में पंत

'बेंगलुरु, 27 दिसंबर। बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से क्षितिज पर एक एयरपोर्ट रनवे दिखाई देता है। विमानों के उड़ान भरने की आवाज जमीन तक नहीं पहुँचती, लेकिन नज़ारा दिखता है। गुजरात द्वारा पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहे जाने के बाद दिल्ली की पारी के अधिकांश समय - ऋषभ पंत खुद उड़ान भरने के लिए तैयार थे। लेकिन वह संयमित रहे, 20वें ओवर में 98 रन पर 3 विकेट गिरने के बाद मैदान पर आए थे।

बेंगलुरु के बाहरी इलाके में, बड़ी भीड़ या ट्रैफिक की अनुपस्थिति में, खेल की गति बीच में आने वाली आवाज़ों से तय होती है: गेंदबाज के दौड़ने पर बल्ले की आवाज, फील्डरों का अपील के लिए ज़ोर से चिल्लाना, बाउंसर के बल्लेबाज के पास से गुज़रने के बाद आहें।

पिच ने तेज़ गेंदबाजों को थोड़ी गति और उछाल दी, जिससे बल्लेबाजों के लिए जीवन और मुश्किल हो गया, जैसा कि विराट कोहली ने 29 गेंदों में अर्धशतक बनाया था। विशाल जायसवाल की शानदार

लेफ्ट-आर्म स्पिन गेंदबाजी से स्टंप होने से पहले उन्होंने दिल्ली के 108 रनों में से 77 रन बनाए थे।

फील्ड फैली हुई थी, और दिल्ली के बल्लेबाजों के खत्म होने का खतरा था, ऐसे में पंत के लिए टिके रहना महत्वपूर्ण था, क्योंकि कोई राहत नजर नहीं आ रही थी। उन्होंने ज़्यादातर गेंदों को इन-फील्डरों के पास से निकालकर सिंगल लिए और 20 और फिर 30 रन बनाए।

पंत ने क्रीज पर टिके रहने पर ध्यान दिया और शुरुआत में शानदार, हवाई शॉट्स से काफी हद तक परहेज किया। क्रीज पर उनकी शांति, हर बार पिच पर बल्ला टैप करने पर जमा हो रही पावर से बिल्कुल अलग थी; उनका कंजर्वेटिव स्ट्रोक प्ले उस पावर से मेल नहीं खाता था जिसे वह उनमें इस्तेमाल कर रहे थे। फील्ड के पार एक और शॉट ने उन्हें 49 रन पर पहुंचा दिया।

फिर उन्होंने जैसे ही रवि बिश्नोई को अपनी हिटिंग आर्क से दूर एक गलत गेंद फेंकते देखा, उन्होंने स्विच ऑन कर दिया - लाइन के पार एक ज़ोरदार स्विंग के साथ उस पर टूट पड़े। उनका हाथ बल्ले से पूरी तरह अलग नहीं हुआ, जैसा कि उनके कई पावरफुल शॉट्स में होता है, लेकिन गेंद लॉन्ग-ऑन बाउंड्री के बहुत दूर चली गई।

स्प्रिंग काफी देर से कसा हुआ था, और अब 50 रन पार करने के बाद, गेंदों के बीच उनके मूवमेंट की गति में कुछ बदलाव आया: वह अचानक क्रीज के पार कूदते हुए दिखे, दूसरे छोर पर हर्ष त्यागी के साथ ग्लव्स टैप करने के लिए ज़्यादा उत्सुक थे।

अपने अर्धशतक के तुरंत बाद, वह घुटनों पर बैठ गए, डीप-बैकवर्ड स्क्वायर लेग की तरफ स्वीप किया, भले ही वह लगभग दूसरी तरफ गिर गए थे। उन्होंने 62 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया था।

आशा देवी डागा टूर्नामेंट में इंस्पायर अकादमी और एसईडब्ल्यू ने जीत दर्ज की

जयपुर, 27 दिसंब। आरसीए द्वारा दिए गए 177/8 के लक्ष्य का पीछा करते हुए रजत सिंह और अमन सिंह शेखावत ने क्रमश: 75 और 81 रन बनाए। रजत सिंह ने 3 विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता। एसईडब्ल्यू ने 220/9 का स्कोर बनाया और पी.एस. अकादमी की टीम 124/10 पर सिमट गई। मानन सिंह ने 56 रन बनाए और किशन चौधरी को मैन ऑफ द मैच चुना गया, जिन्होंने 2 विकेट लिए और 28 रन भी बनाए।

अतुल गुप्ता होंगे जिला बैडमिंटन प्रतियोगिता के ऑर्गेनाइजेशन सेक्रेटरी

जयपुर, 27 दिसम्बर। जयपुर जिला बैडमिंटन संघ के सचिव मनोज दासोत के अनुसार 30 दिसंबर से 4 जनवरी तक सवाई मानसिंह स्टेडियम इंडोर बैडमिंटन हॉल मे होने वाले श्री ओ एन दिक्षित मेमोरियल विंटर जयपुर जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप व वेटरन सिलेक्शन ट्रायल के लिए अतुल गुप्ता को ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री नियुक्त किया गया है अतुल गुप्ता भूतपूर्व राष्ट्रीय स्तरीय बैडमिंटन खिलाड़ी रह चुके हैं तथा वह राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन के कोचिंग हेड व जयपुर जिला बैडमिंटन संघ के कोषाध्यक्ष हैं अतुल गुप्ता अनुसार प्रतियोगिता 30 दिसंबर को सुबह 10:00 बजे से प्रारंभ होगी तथा वेटरन खिलाड़ियों खिलाड़ियों के मैच तीन व चार जनवरी को खेले जाएंगे वेटरन खिलाड़ी सिर्फ तीन इवेंट में भाग ले सकते हैं जो की एक सिंगल्स एक डबल्स व एक मिक्स डबल्स होगा। एंट्री देने की अंतिम तिथि 29 दिसंबर होगी खिलाड़ी अपनी एंट्री सवाई मानसिंह स्टेडियम इंडोर बैडमिंटन हॉल तथा विभिन्न एंट्री केन्द्र पर दे सकते हैं।

अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी : राजस्थान ने क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया, नावेद खान ने 183 रन बनाये

जयपुर, 27 दिसंबर। जयपुर में चल रही अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी के मैच में उत्तरप्रदेश पहली पारी 178 आल आउट हो गई। इस मैच में राजस्थान पहली पारी में 494/9 घोषित हुई। टीम के लिए रजत बघेल 171, नावेद खान 183 व कुशाग्र ओझा 48 रन बनाए। उत्तर प्रदेश दूसरी पारी में 166/7, टीम के लिए भावी शर्मा 58 व युवराज 46 रन बनाये। आज मैच के अंतिम दिन राजस्थान के गेंदबाज हनी प्रताप सिंह 27/4 व जतिन 45/3 विकेट प्राप्त किये।

दो दिन के अंदर 36 विकेट गिरना बहुत ज्यादा है : स्मिथ

मेलबर्न, 27 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने इंग्लैंड के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट दो दिन में हारने के बाद कहा कि दो दिन के अंदर 36 विकेट गिरना बहुत ज़्यादा है। स्मिथ ने शनिवार को मैच के बाद एमसीजी की पिच को लेकर कहा,'' हां, यह काफ़ी मुश्किल था। दो दिन के अंदर 36 विकेट गिरना बहुत ज़्यादा हैं। ग्राउंड्समैन के तौर पर यह काफ़ी मुश्किल है। मेरे हिसाब से वह हमेशा सही प्रकार का संतुलन देने की कोशिश करते हैं। पिछले साल की पिच बहुत अच्छी थी और मैच पांचवें दिन तक गया था। इस बार भी अगर 10 मिमी की जग़ह 8 मिमी रखते तो सही रहता। लेकिन ग्राउंड्समैन हमेशा सीखते हैं और इस मैच से उन्हें काफ़ी कुछ सीखने को मिलेगा।''

एमसीजी के क्यूरेटर मैट पेज ने इस बार 7-8 मिमी घास की जग़ह 10 मिमी घास रखी थी और अंत में इसी कारण से मैच सिर्फ़ दो दिन के अंदर खत्म हो गया। स्मिथ ने आगे कहा,'' जिन पिचों पर सीम गेंदबाज़ों को ज़्यादा मदद मिलती है, वहां स्पिन खेलना आसान होता है और ऐसे में आप यही सोचते हैं कि इस तरह की पिच पर स्पिनर को खिलाकर 30-40 रन अतिरिक्त क्यों देना है। पर्थ में भी हमने स्पिनरों का ज़्यादा इस्तेमाल नहीं किया था।

पिंक बॉल टेस्ट में भी स्पिनरों का उपयोग नहीं किया गया था। एडिलेड में पिच अलग थी इसलिए वहां मामला अलग था। इस मैच में भी स्पिन गेंदबाज़ों को गेंद देने की जरूरत नहीं लगी। मुझे मैच में स्पिनरों का योगदान अच्छा लगता है लेकिन जहां जरूरत नहीं है, वहां मतलब नहीं बनता।''

टेस्ट इतिहास में पहली बार ऑस्ट्रेलिया ने पूरे मैच में किसी स्पिनर से गेंद नहीं करवाई। चार मैचों में अभी तक दो मैच में ऑस्ट्रेलिया ने चार तेज गेंदबाज खिलाए और पर्थ टेस्ट में भी नाथन लायन ने सिर्फ़ दो ओवर ही गेंदबाज़ी की थी। इंग्लैंड ने दो दिन के अंदर एशेज का चौथा टेस्ट जीता और यह इस सीरीज का दूसरा दो दिन वाला टेस्ट मैच था। इससे पहले 1912 में एक सीरीज में एक से ज़्यादा दो दिन के टेस्ट खेले गए थे और ऑस्ट्रेलिया में सिर्फ़ चार बार दो दिन के टेस्ट मैच खेले गए हैं। इस सीरीज से पहले 1931 में मेलबर्न और 2022 में ब्रिस्बेन में यह रिकॉर्ड बना था। पिछले 20 सालों में एमसीजी की पिच ऑस्ट्रेलिया में बल्लेबाज़ी के लिए सबसे मुश्किल पिच थी। इसी कारण से 1932 के बाद पहली बार ऑस्ट्रेलिया में किसी टेस्ट में अर्धशतक नहीं लगा। टेस्ट में सिर्फ़ 852 गेंदें खेली गई और इससे क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को बड़ा आर्थिक नुकसान होगा क्योंकि तीसरे दिन लगभग 90,000 दर्शक मैच देखने आने वाले थे और साथ ही चौथे दिन के लिए भी अच्छे ख़ासे टिकट बिके थे।

एमसीजी की पिच पर उठे सवाल

मेलबर्न, 27 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच बॉक्सिंग डे एशेज टेस्ट दो दिन के अंदर खत्म होने के बाद मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड की पिच सवालों के घेरे में आ गई, दोनों टीमों के कप्तानों ने उस पिच पर अपनी राय दी, जिस पर पूरे मैच में सीम मूवमेंट था और बल्लेबाज़ी के लिए बहुत कम मौका मिला। 142 ओवर में कुल 36 विकेट गिरे, जिसमें तेज गेंदबाज़ों का दबदबा रहा और मैच में स्पिन का एक भी ओवर नहीं फेंका गया। यह टेस्ट - 2010-11 के दौरे के बाद ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड की पहली जीत - सिर्फ़ 952 गेंदों तक चला, जो इस एशेज सीरीज की शुरुआत में पर्थ टेस्ट से सिर्फ़ पांच गेंद ज़्यादा था।

दीप्ति शर्मा ने 1000 रन और 150 विकेट लेकर इतिहास रचा

तिरुवनंतपुरम, 27 दिसंबर। भारतीय महिला टीम की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। इस मैच में उन्होंने महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वाली तीसरी खिलाड़ी बनने की उपलब्धि के साथ इसी प्रारूप में एक हजार रन और 150 विकेट का डबल पूरा करने का भी कारनामा किया। वह इस प्रारुप में (महिला, पुरुष) दोनों में यह कारनामा करने वाली पहली भारतीय क्रिकेटर है। ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में शुक्रवार को दीप्ति के 3/18 के शानदार स्पेल से उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की महान एलिस पेरी को पीछे छोड़ दिया है। पेरी ने 271 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 331 विकेट थे। दीप्ति के नाम अब 333 विकेट हो गए हैं। यह कारनामा करने वालों में वह अब केवल इंग्लैंड की कैथरीन साइवर-ब्रंट और भारतीय दिग्गज झूलन गोस्वामी से पीछे हैं। 26 साल की दीप्ति ने इस छोटे फॉर्मेट में एक और बड़ा मुकाम हासिल किया। वह टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 150 विकेट लेने वाली पहली भारतीय क्रिकेटर (पुरुष या महिला) खिलाड़ी बन गईं। दीप्ति ने श्रीलंका की कविशा दिलहारी को आउट करके यह मुकाम हासिल किया और बाद में अपना 151वां टी-20 विकेट लिया, जिससे वह ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट के साथ महिला टी-20 में सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गईं।

महिला एकदिवसीय में, वह झूलन गोस्वामी के बाद भारत की दूसरी सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। उन्होंने 121 मैचों में 162 विकेट लिए हैं, जबकि पांच टेस्ट मैचों में 18.10 के शानदार औसत से 20 विकेट भी लिए हैं। उन्होंने अब इस प्रारुप में 1,100 से अधिक रन बनाए हैं और 151 विकेट भी लिए हैं। वह पुरुष और महिला क्रिकेट दोनों में टी-20 के इतिहास में एक हजार रन और 150 विकेट का कारनामा करने वाली पहली खिलाड़ी हैं।

गस एटकिंसन की चोट से इंग्लैंड की परेशानी बढ़ाई

मेलबर्न, 27 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में ऐतिहासिक जीत के दौरान इंग्लैंड की चोटों की समस्या और गहरी हो गई, जब तेज गेंदबाज गस एटकिंसन को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर चौथे एशेज टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की वेबसाइट के अनुसार, एटकिंसन को शनिवार सुबह अपना पांचवां ओवर पूरा करने के बाद मैदान से बाहर जाना पड़ा, आखिरी गेंद फेंकने के बाद उन्हें साफ तौर पर परेशानी हो रही थी। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने बाद में पुष्टि की कि दाएं हाथ के तेज गेंदबाज को अपनी बाईं हैमस्ट्रिंग में दर्द हो रहा है और उनकी आगे जांच की जाएगी। इंग्लैंड ने एक बयान में कहा, ''गस एटकिंसन आज सुबह अपना पांचवां ओवर फेंकने के बाद मैदान से बाहर चले गए, उन्हें अपनी बाईं हैमस्ट्रिंग में कुछ दर्द महसूस हुआ। अगले कुछ घंटों में उनकी जांच की जाएगी। आपको शुभकामनाएं, गस।'' यह चोट इंग्लैंड के लिए एक नया झटका है, जो पहले से ही इस सीरीज में तेज गेंदबाजी संसाधनों की कमी से जूझ रहा है। एटकिंसन ने दिन की अच्छी शुरुआत की थी, सुबह के सेशन में नाइटवॉचमैन स्कॉट बोलैंड को जल्दी आउट कर दिया था, क्योंकि इंग्लैंड पहले दिन के नाटकीय खेल के बाद मैच में वापसी करने की कोशिश कर रहा था। ऑस्ट्रेलिया पहले दिन 152 रन पर ऑल आउट हो गया था, जिसमें एटकिंसन ने दो विकेट लिए थे।

वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों को पीजी डिग्री करने पर तीन अग्रिम वेतन वृद्धि का लाभ दें : हाईकोर्ट

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रार्थी वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों को वित्त विभाग के 21 दिसंबर 2017 के परिपत्र के अनुसार पीजी डिग्री करने के बाद तीन अग्रिम वेतन वृद्धि देने के निर्देश दिए हैं।

इसके साथ ही अदालत ने प्रमुख चिकित्सा सचिव व निदेशक सहित संबंधित मेडिकल कॉलेज के रजिस्ट्रार को कहा है कि वह इन तीन अग्रिम वेतन वृद्धि का लाभ याचिकाकर्ता चिकित्सकों से नहीं वसूले। जस्टिस मुनेरी लक्ष्मण की एकलपीठ ने यह आदेश डॉ. राजेन्द्र सिंह लखावत व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने बताया कि याचिकाकर्ता वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी पद पर हैं। सेवा अवधि के दौरान उन्होंने चिकित्सा और सर्जरी में पीजी की थी। जिस पर नियमानुसार उनके मूल वेतन पर अग्रिम तीन वेतन वृद्धियों का लाभ देकर उनका वेतन नियमित किया गया। वहीं बाद में वित्त विभाग ने 26 जुलाई 2013 के परिपत्र का हवाला देते हुए उन्हें दिया तीन अग्रिम वेतन वृद्धियों का लाभ एक जनवरी 2018 से प्रभावी माना, जबकि यह पीजी डिग्री प्राप्त करने की तारीख से लागू माना जाना चाहिए था। वहीं विभाग ने प्रार्थियों को सुनवाई का मौका दिए बिना ही इसकी रिकवरी का आदेश जारी कर दिया। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि किसी भी परिपत्र या आदेश को भूतलक्षी प्रभाव से लागू नहीं कर सकते। प्रार्थियों को पीजी डिग्री पास करने की तिथि से ही तीन अग्रिम वेतन वृद्धि का लाभ मिलना न्यायोचित है। इसलिए 21 मई 2025 के आदेश को सेवा नियमों के विपरीत होने के कारण रद्द किया जाए।

पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ आज

जयपुर । अंग्रेजी नववर्ष-2026 की पूर्व वेला पर रविवार, 28 दिसंबर को सुबह 9 से दोहपर 12 बजे तक गोविंद देवजी मंदिर में श्री मन्माध्व गौड़ेश्वराचार्य महंत अंजन कुमार गोस्वामी जी महाराज के सान्निध्य में नवसंकल्प सिद्धि गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। वर्ष 2025 में हुई भूलों, त्रुटियों की क्षमायाचना, अवगुणों का आत्मावलोकन कर प्रभु के समक्ष प्रायश्चित कर श्रद्धालु ठाकुर श्री गोविंद देवजी के समक्ष नववर्ष 2026 के लिए शुद्ध, सकारात्मक और रचनात्मक जीवन के शुभ संकल्प लेंगे। श्रद्धालु यज्ञ भगवान की साक्षी में यह संकल्प लेंगे कि वे एक बुराई का त्याग कर एक अच्छाई को अपनाएंगे। स्वयं, परिवार, समाज और राष्ट्र को उन्नित के पथ पर अग्रसर करेंगे। अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के विद्वानों की टोली पंच कुंडीय यज्ञ संपन्न कराएंगी। महायज्ञ के माध्यम से नर-नारी की समानता, जाति-वंश से ऊपर उठकर मानवता, नैतिकता और संस्कारों को जीवन में उतारने का संदेश दिया जाएगा।

राज्यपाल से कुलगुरु डॉ. दुबे की शिष्टाचार भेंट

राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे से शनिवार को लोकभवन में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के नव नियुक्त कुलगुरु डॉ. राजेंद्र बाबू दुबे ने मुलाकात की। कुलगुरु बनने के बाद डॉ. दुबे की राज्यपाल से यह पहली शिष्टाचार भेंट थी।

पेंशन नियमों के विपरीत जाकर रिटायर प्रिंसिपल की पेंशन रोकने पर जवाब मांगा

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पेंशन नियमों के विपरीत जाकर राज्यपाल की बजाय माध्यमिक शिक्षा निदेशक की ओर से रिटायर प्रिंसिपल की पेंशन का का कुछ हिस्सा रोकने पर प्रमुख शिक्षा सचिव, माध्यमिक शिक्षा निदेशक और पेंशन निदेशक सहित मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, सवाई माधोपुर से जवाब तलब किया है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश कमलेश कुमार जोशी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि याचिकाकर्ता प्रिंसिपल पद से 31 मई 2021 को रिटायर हुआ, लेकिन पूर्व की विभागीय जांच के लंबित होने के कारण माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने उसकी दस फीसदी पेंशन रोकने का दंडादेश दिया। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि वह बामनवास में ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी के तौर पर अक्टूबर 2014 से जून 2015 तक कार्यरत रहा। उस दौरान कार्यालय के अधीन कुछ अधिकारियों व कर्मचारियों की मिलीभगत से तीन-चार साल दिसंबर 2009 से पोषाहार में गबन हो रहा था।

जयपुर कलक्टर के निर्देश पर फील्ड में उतरे अधिकारी

स्वास्थ्य केन्द्र और श्री अन्नपूर्णा रसोई का औचक निरीक्षण किया

जयपुर (कासं)। जयपुर कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर शनिवार को जिला प्रशासन के अधिकारियों ने फील्ड में जाकर व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया। उपखण्ड अधिकारियों, खण्ड विकास अधिकारियों, तहसीलदारों सहित अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों का दौरा कर स्वास्थ्य सेवाओं, सामाजिक सरोकार से जुड़ी योजनाओं तथा विकसित भारत-रोज़गार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत संचालित कार्यों की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान चिकित्सा अधिकारियों एवं चिकित्सा कर्मियों की उपस्थिति, दवाओं की उपलब्धता, जांच सुविधाएं, आवश्यक चिकित्सकीय उपकरण, साफ-सफाई एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की गहन समीक्षा की गई। अधिकारियों ने स्वास्थ्य केन्द्रों में उपचाररत मरीजों एवं उनके परिजनों से संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर फीडबैक भी प्राप्त किया तथा पाई गई कमियों को शीघ्र सुधारने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही अधिकारियों ने श्री अन्नपूर्णा रसोई का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता व्यवस्था, बैठने की सुविधा, पेयजल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान लाभार्थियों से सीधा संवाद कर भोजन की गुणवत्ता एवं सेवाओं को लेकर उनकी राय भी जानी गई तथा व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

कलक्टर के निर्देशों की अनुपालना में अधिकारियों ने विकसित भारत-रोज़गार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) के तहत जारी कार्यों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया तथा कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं समयबद्ध क्रियान्वयन की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों को कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं गति बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

सरस राजसखी मेले में छाई लोक कलाओं की अनुपम झलक

जयपुर (कासं)। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद द्वारा जवाहर कला केंद्र जयपुर में आयोजित सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025 का प्रत्येक दिन भारतीय संस्कृति के विविध रंगों से सराबोर नजर आ रहा है। गत 4 जनवरी तक चलने वाले इस भव्य आयोजन में प्रतिदिन देश के किसी न किसी कोने की लोक कला, नृत्य और संगीत को मंच मिल रहा है, जिसे देखने और अनुभव करने के लिए बडी संख्या में दर्शक उमड रहे हैं। सांस्कृतिक संध्याओं के माध्यम से यह मेला न केवल मनोरंजन का केंद्र बना हुआ है, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से साक्षात्कार का सशक्त माध्यम भी बन रहा है। मेले के पहले दिन ही सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत राजस्थान के लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत चरी, घूमर और कालबेलिया नृत्यों से हुई, जिसने पूरे परिसर को लोक रंगों से भर दिया। ताल, लय और भाव-भंगिमाओं के प्रभावशाली संयोजन ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। लोक कलाकारों द्वारा शहनाई और नगाड़ा वादन ने भी खूब सराहना बटोरी। भरतपुर के ग्रुप द्वारा प्रस्तुत मयूर नृत्य तथा उत्तर प्रदेश के ग्रुप द्वारा प्रस्तुत फूलों की होली ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इन रंगीन और भावपूर्ण प्रस्तुतियों पर पूरा परिसर तालियों की गडगडाहट से गूंज उठा।

पशुपालन विभाग में 1055 अधिकारी पदोन्नत हुए

जयपुर (कासं)। पशुपालन विभाग के राजस्थान राज्य पशुपालन सेवा संवर्ग के वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी, उप निदेशक, संयुक्त निदेशक तथा अतिरिक्त निदेशक स्तर के विभिन्न संवर्गो के कुल 1055 पदों के लिए शुक्रवार को शासन सचिवालय में पदोन्नित समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राजस्थान लोक सेवा आयोग के माननीय सदस्य डा. सुशील कुमार बिस्सु ने की।

सोमवार से अरावली के 20 जिलों में अवैध खनन के खिलाफ संयुक्त अभियान- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने अरावली के प्राकृतिक स्वरूप को सुरक्षित रखने के सख्त निर्देश दिए

जयपुर, 27 दिसंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर अरावली पर्वतमाला क्षेत्र के 20 जिलों में अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण के खिलाफ सोमवार 29 दिसंबर से 15 जनवरी, 2026 तक अरावली पर्वतमाला के 20 जिलों में संयुक्त अभियान चलाया जाएगा। अभियान का संचालन खान, राजस्व, पुलिस, परिवहन और वन विभाग द्वारा संयुक्त रुप से किया जाएगा। अभियान का संचालन जिला कलक्टर के समन्वय से किया जाएगा।

शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित वन एवं पर्यावरण और खान विभाग की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अरावली क्षेत्र में किसी भी प्रकार के नए खनन की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस संबंध में केन्द्र सरकार की ओर से भी निर्देश जारी किए गए हैं। ये निर्देश पूरे अरावली भू-भाग पर समान रूप से लागू होंगे। इससे पर्वत श्रृंखला के प्राकृतिक स्वरूप को सुरक्षित रखा जा सकेगा और अनियमित व अवैध खनन पर प्रभावी रूप से रोक लग सकेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को वन एवं पर्यावरण और खान विभाग की समीक्षा बैठक ली।

- **वन/पर्यावरण व खान विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि अरावली पर्वतमाला को हरा-भरा बनाने के लिए 250 करोड़ रूपए की हरित अरावली विकास परियोजना बनाई गई है।**

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने खनन लीज जारी करने में सुप्रीम कोर्ट और सीईसी द्वारा समय-समय पर जारी की गई गाइडलाइंस के साथ ही सभी पर्यावरण सुरक्षा उपायों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया है। उन्होंने कहा कि अरावली पर्वतमाला को हरा-भरा बनाने के लिए 250 करोड़ रुपये की हरित अरावली विकास परियोजना बनाई गई है। परियोजना के तहत अरावली जिलों के 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सघन वृक्षारोपण करवाया जा रहा है। बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय, वन एवं पर्यावरण तथा खान विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

अभियान की नियमित मोनेटरिंग खान मुख्यालय उदयपुर व प्रमुख सचिव माइंस के स्तर पर की जाएगी। अधिकारियों की जबावदेही तय करने के साथ ही किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अभियान के दौरान की गई कार्यवाही को मीडिया के माध्यम से प्रसारित करने के भी निर्देश दिए गए ताकि अवैध खनन गतिविधि करने वालों पर सरकार की सख्ती का संदेश जा सकें।

दिल्ली में एक रात में 285 गिरफ्तार

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर। दिल्ली में बड़ा एक्शन हुआ है। इससे अराधियों में खलबली मच गई है। नए साल से पहले दिल्ली पुलिस ने अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए बड़ी धड़-पकड़ की है। पुलिस के साउथ-ईस्ट जिले ने अपराध पर कड़ी कार्रवाई करते हुए 'ऑपरेशन आघात 3.0' को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। इस अभियान के तहत, एक ही रात में विभिन्न आपराधिक मामलों से जुड़े 285 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध सामग्री बरामद की है। कुल 21 कंट्री मेड पिस्टल, 20 जिंदा कारतूस और 27 चाकू जब्त किए गए, जो हथियारों की अवैध तस्करी और उपयोग को रोकने में मददगार साबित होंगे। इसके अलावा, नशीले पदार्थों के खिलाफ सख्ती दिखाते हुए 6.01 किलोग्राम गांजा और 12,258 क्वार्टर अवैध शराब बरामद की गई।

बांग्लादेश में हिंदू, कसाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं, जैसे उम्मीदवारों और मतदाताओं की सुरक्षा, वो देश में पूरी तरह से गायब हैं। हालात को और जटिल बनाते हुए, निर्वासन में रह रहे बांग्लादेश नेशनल पार्टी (बीएनपी) के नेता तहरीक रहमान की वापसी ने हिंदू समुदाय के डर को और बढ़ा दिया है।

बेगम खालिदा रहमान के नेतृत्व में बीएनपी बांग्लादेश की सबसे कट्टर इस्लामी राजनीतिक पार्टियों में से एक रही है। इस पार्टी ने हिंदुओं को देश से उखाड़ फेंकने की नीतियों की वकालत की थी और खुले तौर पर उनसे देश छोड़ने को कहा था। अब उनका बेटा, जो सत्रह साल से अधिक समय तक लंदन में रह रहा था, वापस आ गया है और आशंका है कि वह भी अपनी मां की तरह हिंदुओं के खिलाफ नफरत और उत्पीड़न का वही रास्ता अपनाएगा। भारत से लगी सीमाएं बंद होने के कारण देश में फंसे अल्पसंख्यक हिंदू खुद को मानो कसाईखाने में कैद महसूस कर रहे हैं। करीब ढाई करोड़ हिंदुओं का पूरा समुदाय हर पल डर में जी रहा है कि कभी भी डराने-धमकाने या भीड़ द्वारा हत्या की घटना हो सकती है।

हाल ही में लगातार दो हिंदुओं की नृशंस हत्या ने पूरे देश में भय और असुरक्षा का माहौल बना दिया है। अब तो दिनदहाड़े सिर्फ हिंदू होने की पहचान के कारण भी किसी की हत्या हो सकती है और प्रशासन की ओर से कोई सुरक्षा नहीं मिलती। जमीनी स्तर पर सांप्रदायिकता इतनी बढ़ गई है कि बांग्लादेश में किसी हिंदू की हत्या अब जैसे कोई अपराध ही नहीं रह गई है। यह खतरा पूरे समुदाय के लिए रोजमर्रा की सच्चाई बन गया है। नई हिंदू पार्टी भारत से आग्रह कर रही है कि वह सीमाएं बंद रखने के बजाय उन्हें खोले। इसका मतलब यह नहीं है कि बांग्लादेश से हिंदुओं का बड़े पैमाने पर पलायन हो जाएगा, लेकिन खुली सीमा से कम से कम यह विकल्प बना रहेगा कि वे जरूरत पड़ने पर निकल सकें, और इससे कट्टरपंथी तत्वों पर भी मनोवैज्ञानिक दबाव पड़ेगा।

बड़े पैमाने पर किसी भी पलायन से भारत की ओर से प्रतिक्रिया होगी और यह सांप्रदायिक तत्वों के लिए एक तरह का चेतावनी संकेत बनेगा।

इसी बीच, देश की समग्र स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है और आम लोगों की हालत भी खराब होती जा रही है। पिछले साल सत्ता परिवर्तन के बाद से अर्थव्यवस्था को झटका लगा है और अब हालात और भी बिगड़ चुके हैं।

जब आम जनता की हालत बद से बदतर होती जा रही है, तो अल्पसंख्यकों की स्थिति उससे भी ज्यादा दयनीय है। उनमें से अधिकतर किसी तरह बस गुजारा कर रहे हैं। भारत को अपना रुख बदलना चाहिए और बड़े पैमाने पर हत्याओं से उन्हें बचाने के लिए सक्रिय हस्तक्षेप करना चाहिए।

दिग्विजय सिंह आखिर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अलोकतांत्रिक" कांग्रेस नेतृत्व का पर्दाफाश कर दिया है।

केशवन ने एक्स पर की गई एक टिप्पणी में कहा, "क्या राहुल गांधी साहस दिखाएंगे और दिग्विजय सिंह के ट्वीट द्वारा छोड़े गए "सत्य बम" पर प्रतिक्रिया देंगे, जिसने पूरी तरह से यह उजागर किया है कि कांग्रेस का प्रथम परिवार पार्टी को तानाशाही तरीके से कैसे चलाता है और यह कांग्रेस नेतृत्व कितना तानाशाह और अलोकतांत्रिक है?"

दिग्विजय सिंह के पोस्ट में कांग्रेस के सोशल मीडिया हैंडल्स, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को भी टैग किया गया था, जिसे हाई कमान को उनके (सिंह के) संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

एक हफ्ते पहले, उन्होंने कांग्रेस में सुधार की बात की थी और राहुल गांधी से इसे देखने की अपील की थी। उन्होंने 19 दिसम्बर को कहा था कि पार्टी को और ज्यादा "व्यावहारिक एवं विकेन्द्रीकृत कार्यप्रणाली" की आवश्यकता है। लेकिन यह अफसोस भी जताया था कि राहुल गांधी को "इसके लिये राजी करना आसान नहीं" है।

पोस्ट में लिखा गया, "राहुल गांधी जी, आप सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर पूरी तरह "सही" हैं। पूरे नम्बर। लेकिन अब कृपया कांग्रेस पार्टी पर भी ध्यान दें। जैसे ईसीआई एसवीईईपी (इलैक्शन कमीशन ऑफ इंडिया का मतदाता जागरुकता एवं शिक्षा कार्यक्रम) को सुधारों की आवश्यकता है, वैसे ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को भी। आपने 'संगठन निर्माण' से शुरुआत की है, लेकिन हमें अधिक व्यावहारिक विकेंद्रीकृत कार्यप्रणाली की आवश्यकता है। मुझे यकीन है कि आप इसे करेंगे, क्योंकि मुझे पता है कि आप यह कर सकते हैं। एकमात्र समस्या यह है कि आपको "तैयार करना" आसान नहीं है।

भाजपा ने उनके बयानों को लेकर गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष के नेता देशभर में लोकतंत्र की बात करते हैं, लेकिन सभी जानते हैं कि कांग्रेस के अंदर कितना लोकतंत्र है।

सिंह के ये पोस्ट ऐसे समय में आए हैं, जब राज्य की राजनीति में मुश्किलें बढ़ रही हैं। उनका दूसरा राज्यसभा कार्यकाल अगले साल की शुरुआत में खत्म हो रहा है, और तीसरे कार्यकाल की संभावना कम दिखती है। कमल नाथ और मीनाक्षी नटराजन पहले ही राज्यसभा के लिए कतार में हैं और उनकी सीट के लिए प्रमुख दावेदार हो सकते हैं। इसके अलावा, मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और विधानमंडल दल के नेता उमंग सिंघार को भी "दिग्विजय विरोधी" नेता माना जाता है।

लीपा-पोती कर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

(गांधी परिवार) की कांग्रेस को तानाशाही तरीके से चलाने के लिए आलोचना की। भाजपा के एक प्रवक्ता ने सिंह के पोस्ट को "सत्य बम" के रूप में वर्णित किया। दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 1990 के दशक के एक ब्लैक एण्ड वाइट फोटो का स्क्रीनशॉट साझा किया, जो गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान ली गई थी। इस तस्वीर में भाजपा के दिग्गज नेता एल.के. आडवाणी कुर्सी पर बैठे दिख रहे हैं, जबकि युवा नरेन्द्र मोदी उनके पास फर्श पर बैठे नज़र आ रहे हैं। अपने पोस्ट में, सिंह ने बताया कि कैसे संघ के पारिस्थितिकी तंत्र में ग्रास रूट कार्यकर्ता रैंक में ऊपर उठते हैं और मुख्यमंत्री, यहां तक कि प्रधानमंत्री भी बन सकते हैं। सिंह के पोस्ट का राजनीतिक संदेश स्पष्ट है, क्योंकि यह उनके राहुल गांधी को लिखे पोस्ट के बाद आया है, जिसमें उन्होंने राहुल की सामाजिक-आर्थिक स्थिति की समझ की सराहना की थी, लेकिन पार्टी संगठन को विकेन्द्रीयकृत निर्णय लेने के जरिए मजबूत करने की अपील की थी। सिंह ने उस संदेश में स्वीकार किया था कि राहुल को मनाना "आसान नहीं है।" यह बयान पार्टी के अंदर असहजता का कारण बना था।

सुप्रीम कोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शीर्ष अदालत का यह दखल अरावली पहाड़ियों की बदली हुई परिभाषा के कारण हुए सार्वजनिक विरोध और पर्यावरण संबंधी चिंताओं के बाद आया है। यह क्षेत्र अपने इकॉलॉजिकल महत्व और रेगिस्तान बनने से रोकने और भूजल स्तर को बनाए रखने में अपनी भूमिका के लिए जाना जाता है। पर्यावरण विशेषज्ञ और सिविल सोसाइटी संगठनों ने चिंता जताई है कि परिभाषा में बदलाव पहले से संरक्षित क्षेत्रों में माइनिंग और निर्माण गतिविधियों को कानूनी मान्यता मिल सकती है।

असम में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामने आए, जिनमें जनसांख्यिकीय समानता पाई गई और उन्हें सुधार के लिए चिन्हित किया गया। आयोग के मुताबिक, यह पूरी प्रक्रिया घर-घर जाकर सत्यापन के जरिए की गई।

शरद पवार शिवसेना-मनसे गठबंधन में शामिल

मुंबई, 27 दिसंबर। महाराष्ट्र में तेजी से बदलते घटनाक्रम के मद्देनजर शिवसेना (यूबीटी) के सांसद और पार्टी के मुख्य प्रवक्ता संजय राउत ने घोषणा की कि शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी आगामी बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव लड़ने को उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना-महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) गठबंधन में शामिल हो गई है।

यह घटनाक्रम तब हुआ, जब शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के नेता जयंत पाटिल ने शुक्रवार को बांद्रा पूर्व में मातोश्री आवास पर शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे से मुलाकात की और पुणे में अजित पवार और शरद पवार के बीच गठबंधन की सारी संभावनाएं खत्म हो गईं।

गुरुवार को कांग्रेस पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने मीडियाकर्मियों को बताया था कि बीएमसी सहित, नगर निगमों के आगामी चुनाव लड़ने के लिए प्रकाश अम्बेडकर के नेतृत्व वाली वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ गठबंधन के लिए बातचीत शुरू हो गई है।

बीएमसी चुनाव में शरद पवार से गठबंधन करने के बाबत राउत ने कहा, " शरद पवार एक वरिष्ठ नेता हैं। हम सभी महसूस करते हैं कि उन्हें हमारे साथ होना चाहिए। हम सभी चाहते थे कि उनके जैसा वरिष्ठ नेता उनकी पार्टी गठबंधन में हो।

दिग्विजय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अकेले हैं? क्या पार्टी में अन्य नेता भी वही महसूस कर रहे हैं जो दिग्विजय सिंह ने कहा?

और सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर क्यों दिग्विजय सिंह की बातों को सबने चुप होकर सुना, बिना किसी जवाब और पलटवार के?

राहुल गांधी के कट्टर समर्थक क्यों चुप थे?

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908